



कुछ लोग सफलता के केवल सपने देखते हैं जबकि अन्य व्यक्ति जागते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं।

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-230 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 24 अक्टूबर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

बिहार में पटारखा कारोबारी के घर जोरदार ब्लास्ट, 8 की मौत, मकान के बाहर बिखरे शव, डेढ़ घंटे तक होते रहे धमाके



सिवान (ए.)। बिहार के सिवान जिले में शुक्रवार को पटाखों में आग लगने से एक मकान में जोरदार विस्फोट हो गया। जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। धमाका इतना भीषण था कि मकान का अगला हिस्सा ढह गया और मलबा सड़क पर बिखर गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे में करीब सात लोगों की मौत की सूचना है, हालांकि मृतकों की संख्या और पहचान की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

पटाखों में आग लगते ही शुरू हुए जोरदार धमाके

जानकारी के अनुसार, आलमपुर निवासी मो. अमीरुद्दीन मिर्घा के मकान में पटाखे रखे हुए थे। उन्हें पटाखों का कारोबारी बताया जा रहा है। बताया जाता है कि मकान में कई लोग मौजूद थे, तभी अचानक पटाखों में आग लग गई। आग ने वहां रखे अन्य पटाखों को भी अपनी चपेट में ले लिया,

टाइगर श्राॅफ फायरिंग मामले में महिला ब्रिगेड का अहम रोल, तीसरी आरोपी भी क्राइम ब्रांच की हिरासत में

मुंबई,(आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राॅफ की कार पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में महिला ब्रिगेड का अहम रोल सामने आया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक और महिला को हिरासत में लिया है। इसके पहले इस गोलीकांड में तीन महिलाओं की गिरफ्तारी हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई क्राइम ब्रांच ने फायरिंग मामले को जांच के दौरान एक महिला हिरासत में लिया है। उस महिला को

एंटी एक्सटॉर्शन सेल में पूछताछ के लिए लाया गया है। हालांकि, इस महिला को लेकर अभी क्राइम ब्रांच ने खुलासा नहीं किया है कि इसका लिंक क्या है। वहीं, इससे पहले दिल्ली में राधा और बबिता को गिरफ्तार किया गया था।

मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने गुरुवार को तीन और आरोपियों को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार किया। मुंबई पुलिस लगातार अलग-अलग रज्यों में अपने इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर दबिश दे रही है। इसी कड़ी में राजस्थान के कोटा और दिल्ली के बाद हरियाणा से तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के एक्सटॉर्शन सेल तीनों आरोपियों को साथ लेकर मुंबई पहुंची है। उन तीनों को अदालत में पेश किया जाएगा। इन आरोपियों की पहचान समीर, जतिन और अंकित खटक के रूप में हुई है।



जिसके बाद एक के बाद एक विस्फोट होने लगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब दो घंटे तक रुक-रुककर धमाकों की आवाज सुनाई देती रही। लगातार हो रहे विस्फोटों से आसपास के लोग घबरा गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

धमाके से मकान का अगला हिस्सा ढहा, सड़क पर बिखरा मलबा

विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मकान का अगला हिस्सा ढहकर सड़क पर जा गिरा। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। धमाके की आवाज दूर तक सुनाई देने की जानकारी भी सामने आई है।मकान को हुए भारी नुकसान और बिखरे मलबे के कारण घटनास्थल पर स्थिति बेहद गंभीर बताई जा रही है।

सात लोगों की मौत की सूचना, पहचान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं

स्थानीय लोगों ने हादसे में करीब सात लोगों की मौत होने की बात कही है। हालांकि, मृतकों की वास्तविक संख्या और उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। विस्फोट की तीव्रता के कारण शवों की पहचान करने में परेशानी होने की बात भी सामने आई है।

हादसे की वजह की जांच जरूरी

फिलहाल, पटाखों में आग लगने के कारणों और मकान में रखे विस्फोटक सामान की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। घटना से जुड़े तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि होने के बाद ही नुकसान और हताहतों की वास्तविक संख्या स्पष्ट हो सकेगी।

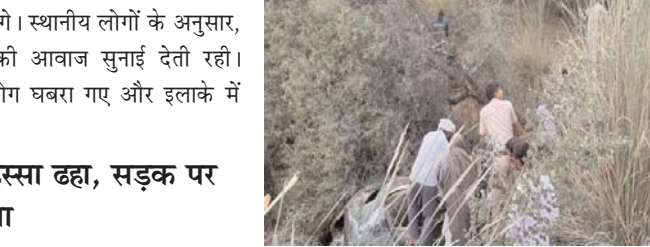
चीन फिर कर रहा चालबाजी!, अरुणाचल सीमा पर कई जगहों पर आमने-सामने हुए सैनिक, आईटीबीपी चीफ बोले- हमारे शौर्य कमांडो तैयार



नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत-चीन सीमा पर अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारतीय सुरक्षा बलों और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जवानों के बीच आमना-सामना होने की जानकारी सामने आई है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुंजीत सिंह कपूर ने बताया कि कुछ स्थानों पर ऐसी स्थितियां अभी भी बनी हुई हैं। उन्होंने चीनी सैनिकों के साथ आमने-सामने की परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए आईटीबीपी की नई कमांडो टीम 'शौर्य कमांडो' की सराहना की। आईटीबीपी के 65वें स्थापना दिवस से पहले आयोजित सम्मान समारोह में जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने बल की परिचालन क्षमता बढ़ाने, कमांडो इकाइयों के विस्तार और आधुनिक तकनीक को अपनाते को योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य में ड्रोन, एंटी-ड्रोन

अवैध रेत खनन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब

हरदा (आरएनएस)।जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र के बघवाड़ गांव के पास गुरुवार को गंजाल नदी में अवैध रेत खनन करते एक ट्रैक्टर को वन विभाग की टीम ने जब्त किया है। एमपी 47 एचडो 8562 नंबर के इस ट्रैक्टर को टिमरनी थाने लाकर राजस्व विभाग को सौंप दिया गया।वन विभाग के नाकेदार ताराचंद चौरसिया ने बताया कि वन परिक्षेत्र में गंजाल नदी से अवैध रेत खनन की जानकारी मिली थी। मौके पर बघवाड़ निवासी अकरम अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध रूप से रेत भरता मिला। हालांकि किसी आरोपी पकड़ा नहीं जा सका। वन विभाग की टीम ने 22 अक्टूबर को मौके पर पंचनामा बनाकर ट्रैक्टर जब्त कर लिया। इस कार्रवाई में टेमागांव डिप्टी रेंजर ताराचंद चौरसिया, मांगीलाल चावड़े (डिप्टी रेंजर झाड़ुबीड़ा) और बीट गाई मनीषा उईके (बघवाड़) शामिल थे। वन सुरक्षा समिति बघवाड़ की भी अहम भूमिका रही।जिले में रेत खनन पर प्रतिबंध के बावजूद रेत माफ़िया लगातार खनन कर रहे हैं। खनन विभाग भी इस पर खास कार्रवाई नहीं करता।



जयपुर,(आरएनएस)। राजस्थान में दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे-148 पर शुक्रवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रायसर थाना क्षेत्र के पास टायर फटने से अनियंत्रित हुई एक कार सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग खाटूश्यामजी के दर्शन करने के बाद आगरा लौट रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे जब उनकी कार दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे-148 पर रायसर के पास पहुंची, तभी अचानक उसका टायर फट गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

तैयार करना है इसके अतिरिक्त, केवल कमांडो अभियानों के लिए एक अलग बटालियन गठित करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रस्ताव का खाका जल्द तैयार हो जाएगा। इन विशेष इकाइयों को ITBP की परिचालन क्षमता और पहचान का अहम हिस्सा बनाने की तैयारी है।सीमा पर बदलती चुनौतियों का उल्लेख करते हुए ITBP प्रमुख ने ड्रोन तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन टीमों के गठन की प्रक्रिया चल रही है। बल का ने पारंपरिक युद्ध के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव लाने के लिए एक पूर्ण कमांडो कंपनी किया है।

मेरठ सौरभ हत्याकांड: नीले ड्रम वाले मुस्कान और साहिल ने मृत्युदंड के फैसले को हाई कोर्ट में दी चुनौती



पाए साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोनों की अपील के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पर नजरे टिकी हैं। उधर, अमित हत्याकांड में मृत्युदंड पाने वाले अमरदीप और रविता भी हाईकोर्ट में अपील करने की तैयारी कर रहे हैं। नीले ड्रम हत्याकांड के नाम से चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड एक बार फिर चर्चा में है। इस मामले में दोषी ठहराए गए साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि, मृत्युदंड पर हाईकोर्ट की स्वीकृति अभी लॉबत बताई गई है।मामला मेरठ के बहापुरी क्षेत्र का है। तीन मार्च 2025 को सौरभ राजपूत की हत्या कर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट भरकर छिपा दिया गया था। इस वारदात में सौरभ की पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को दोषी ठहराया गया।

अमिताभ बच्चन के घर और दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई में मचा हड़कंप



मुंबई (आरएनएस)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक धमकी भरे ई-मेल के सामने आने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल मच गई है। मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े को मिले इस ई-मेल में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास 'जलसा' और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट स्थल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

इसके अलावा एक स्कूल पर ग्रेनेड हमले की चेतावनी भी दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है।अधिकारियों के मुताबिक, धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद बृहमुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुख्यालय में मेयर के कार्यालय की गहन तलाशी ली गई। जांच के दौरान वहां कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि यह ई-मेल डिप्टी मेयर संजय घाडी को भी भेजा गया था।

धमकी की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने ई-मेल की विश्वसनीयता, उसके स्रोत और इसे भेजने वाले की पहचान का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

ई-मेल में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास 'जलसा' को निशाना बनाने की धमकी दिए जाने की बात सामने आई है। इसके अलावा 31 अक्टूबर को एक स्कूल पर ग्रेनेड हमले की चेतावनी भी दी गई है।इन संदेशों के बाद संबंधित स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस धमकी की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रही है।धमकी भरे ई-मेल में 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स इलाके में आयोजित होने वाले गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के दौरान हमले की आशंका जताई गई है।ई-मेल में खालिस्तान का उल्लेख भी किया गया है।एह्तियात के तौर पर महालक्ष्मी रेसकोर्स, प्रमुख शिक्षण संस्थानों और ई-मेल में बताए गए अन्य स्थानों पर सुरक्षा तथा निगरानी बढ़ा दी गई है।पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि ई-मेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन है। अधिकारियों के अनुसार, धमकी की सत्यता की जांच की जा रही है और सुरक्षा के लिहाज से जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

बस्तर में पड़े थे भगवान श्रीराम के चरण, इसकी पवित्रता बनाए रखना सभी का दायित्व : राष्ट्रपति मुर्मु

जगदलपुर, (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरण बस्तर के अंचल में पड़े थे, जिससे इसकी पवित्रता और सांस्कृतिक महिमा और भी विशेष हो जाती है। इस प्राकृतिक संपदा, समृद्ध परंपराओं और गौरवशाली विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है।

राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर दशहरा 2026 के तहत जगदलपुर के लालबाग मैदान में आमसभा को संबोधितकर रही थीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़ी मान्यताएं और माता शबरी से उनकी भेंट की परंपरा इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। उन्होंने बस्तर की अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं और जनजातीय समाज की एकजुटता की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने सभी को बस्तर दशहरा की शुभकामनाएं दीं और मां दंतेश्वरी सहित क्षेत्र के देवी-देवताओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर मां दंतेश्वरी के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बस्तर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि दंडकारण्य का वर्णन वाल्मीकि रामायण में मिलता है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि की विरासत को सुरक्षित रखना सभी का दायित्व है। उन्होंने बस्तर दशहरा में विभिन्न समाजों की भागीदारी को विशेष बताते हुए कहा कि यहां की परंपराएं लोगों को आपस में



जोड़ती हैं। मांझियों से मुरिया दरबार की व्यवस्था के बारे में जानकारी मिलने का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे जनता से जुड़ी परंपरा बताया, जो लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करती है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से नक्सली आतंक से पीड़ित लोगों को राहत मिली है और अब वे आगे बढ़ने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में आदिवासी खिलाड़ियों की भागीदारी की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि यहां के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और ओलंपिक में भी देश के लिए पदक जीत सकते हैं। उन्होंने जनजातीय समाज में प्रकृति के प्रति सम्मान की परंपरा का उल्लेख करते हुए जंगल, पहाड़ और पेड़-पौधों के संरक्षण पर भी जोर दिया।

नेहा बोरा को झटका, दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका, ‘पीस बॉन्ड’ भरने के खिलाफ की थी अपील



नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने शांति बनाए रखने के लिए 10000 रुपए के निजी मुचलके और एक जमानतदार देने संबंधी नोटिस को चुनौती दी थी।जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल पीठ ने फिलहाल याचिका खारिज कर दी। हालांकि

अदालत ने निर्देश दिया कि कार्यवाही में जिन दस्तावेजों और सामग्री का सहारा लिया गया है, उनकी प्रतियां नेहा बोरा को उपलब्ध कराई जाएं।हाईकोर्ट ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) को भी निर्देश दिया कि जांच पूरी होने के बाद कोई आदेश पारित करते समय आवश्यक सावधानी बरती जाए। नेहा बोरा ने 17 अक्टूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा जारी उस नोटिस को चुनौती दी थी, जो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धाराओं 126 और 130 तथा धारा 135(3) के तहत जारी किया गया था। नोटिस में उनसे शांति बनाए रखने के लिए बांड भरने को कहा गया था।सुनवाई के दौरान नेहा बोरा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने अदालत को बताया कि 16 अक्टूबर की शाम मंडी हाउस पहुंचने के महज 10-15 मिनट बाद ही बोरा को हिरासत में ले लिया गया था।

भोपाल में एयरपोर्ट रोड पर हादसा, साइड वॉल तोड़ 20 फीट नीचे गिरा ट्राला, ड्राइवर गंभीर



भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर स्थित एयरपोर्ट रोड पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर सीमेंट की साइड वॉल तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे सर्विस लेन पर जा गिरा। हादसे में ट्राले का चेचिस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि उसकी बाँड़ी ब्रिज पर ही अटक गई। दुर्घटना में ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्राला बायपास की ओर जा रहा था। ब्रिज से उतरते

तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल ड्राइवर को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक सर्विस लेन से कोई व्यक्ति नहीं गुजर रहा था। ऐसे में नीचे किसी राहगीर के मौजूद होने पर बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलने पर गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जांच शुरू की। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

प्रदेश में दोगुना करेंगे मत्स्य उत्पादन : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

जल सम्पदा को जोड़ेंगे निवेश, नवाचार और निर्यात से मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन में बनायेंगे देश का अग्रणी केन्द्र

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नई एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 में यह प्रावधान किया है कि प्रदेश का मत्स्य उत्पादन हम जल्द से जल्द दोगुना कर देंगे। इससे मत्स्य उत्पादकों, विन्नेताओं, मत्स्य परिवहनकर्ताओं और मछली पालन से जुड़े सभी मत्स्यपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकार मध्यप्रदेश में नई नीली क्रांति लाने के लिए तैयार है। मप्र की जल सम्पदा को निवेश, नवाचार और निर्यात से जोड़कर हम मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के मामले में देश का अग्रणी केन्द्र बनाएंगे। मध्यप्रदेश में उपलब्ध अथाह जलराशि का बेहतर सप्रबंधन कर जलचरों का संरक्षण भी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां कई बड़ी जल संरचनाएं मौजूद हैं। मध्यप्रदेश में उपलब्ध जल स्रोतों को बहु आय जलस्रोत बनाने जा रहे हैं। एक जल स्रोत से दो जल स्रोत को पानी, किसानों को खेती के लिए पानी, पशुपालकों को पशुओं के लिए पानी, मछली उत्पादन, जल पर्यटन सहित जलीय जीवों को भी संरक्षण मिलता है। किसानों और मत्स्य पालकों दोनों की आर्थिक स्थिति हालत सुधारने के लिए राज्य सरकार इस दिशा में ठोस काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित नेशनल फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कान्फ्लेव-2026 में आए प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई नीति अंतर्गत प्रदेश में 1 लाख नए केज कल्चर स्थापित करने का लक्ष्य लिया है। प्रदेश के संरक्षित वन क्षेत्रों में भी बड़े तालाब निर्मित करेंगे, ताकि वन्य जीवों के साथ-साथ इन तालाबों का लाभ मत्स्यपालकों को भी मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह



बघेल के साथ इस कॉन्फ्लेव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन उद्योग को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के साथ जोड़ा जाएगा। इसके अंतर्गत मछली उत्पादन के बाद इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, मार्केटिंग संबंधी अन्य सभी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एकीकृत मत्स्योद्योग को एमएसएमई इंडस्ट्री से जोड़कर सभी प्रकार के प्रोत्साहन और इन्सेंटिव भी दिया जाएगा। मत्स्य उत्पादकों एवं निवेशकों को सभी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में लागू एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत मत्स्य उद्योग के विस्तार के लिए इस क्षेत्र के निवेशकों को भूमि आवंटन, तकनीकी मदद और अन्य कई प्रकार की सुविधाएं दी जाएंगी। कॉन्फ्लेव में अतिथियों द्वारा मध्यप्रदेश मत्स्य पालन निवेश एवं

निर्यात मार्गदर्शिका 2026 के अलावा एक्सपोर्ट पोर्टल की एसओपी का विमोचन किया गया। इस अवसर पर रायसेन जिले के बारना जलाशय में मध्यप्रदेश में पहली बार निजी निवेश और सहभागिता (पीपीपी मोड) से स्थापित 500 केज कल्चर का शुभारंभ भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने मप्र के जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास के लिए तैयार की गई योजना की प्रशासकीय स्वीकृति हस्तांतरित की। कॉन्फ्लेव में हितग्राहियों को हितलाभ वितरण सहित मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन और इसके विकास पर केंद्रित वीडियो फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सभी विभागों में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। देश के निर्यात होने वाली मत्स्य सम्पदा पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया तो यह संकट का समय था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने नेतृत्व कौशल, क्षमता और योग्यता के बल पर देश को इस संकट से बाहर निकाला। मत्स्य उद्योग निवेश, उत्पादन और निर्यात का बड़ा सेक्टर है, जिसमें आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं मध्यप्रदेश में विद्यमान हैं। फिशरीज् सेक्टर में निवेशक, निर्यातक, स्टार्टअप को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल स्रोतों का बेहतर प्रबंधन करते हुए खेती के लिए निरंतर सिंचाई सुविधाओं को बढ़ा रही है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 69 लाख हैक्टेयर हो चुका है। राज्य सरकार ने इसे 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मध्यप्रदेश में नदी जोड़ी अभियान- केन-बेतवा लिंक और पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) से जल रचनाओं का निर्माण होगा। इससे फिशरीज् प्रोडक्शन में नया दौर शुरू होगा।

भोपाल में कई दुकानों-होटलों के खाद्य नमूने फेल

पनीर से दूध तक अमानक, साढ़े छह लाख से ज्यादा जुर्माना

भोपाल (आरएनएस) । भोपाल में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में 35 प्रतिष्ठानों के खाद्य नमूने अमानक या मिथ्या छाप पाए गए।
पनीर, दूध, घी, मिठाई और नमकीन समेत कई खाद्य पदार्थ जांच के दायरे में आए। विभाग ने 35 से अधिक मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है, जबकि पिछले तीन महीनों में लंबित मामलों की सुनवाई के बाद 6.50 लाख रुपये से अधिक जुर्माना लगाया गया।
भोपाल में बाजार से खरीदे जा रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में गंभीर सवाल उठे हैं। डेयरी, होटल, रेस्टोरेंट और किराना दुकानों से लिए गए नमूनों की प्रयोगशाला जांच में पनीर, दूध, क्रीम, घी, मिठाई और नमकीन समेत कई खाद्य पदार्थ अमानक या मिथ्या छाप पाए गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने इन मामलों में 35 से अधिक प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति जारी की है। वहीं, अपर कलेक्टर न्यायालय में पिछले तीन महीनों के दौरान सुनवाई के बाद विभिन्न खाद्य मामलों में 6.50 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। विभाग की सूची में कुल 35 खाद्य कारोबारियों और प्रतिष्ठानों के नाम हैं। इनमें डेयरियों के साथ होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानें, किराना स्टोर और कैंटीन भी शामिल हैं।



जांच में सबसे ज्यादा मामले पनीर के नमूनों से जुड़े हैं। इसके अलावा गाय और भैंस के दूध, क्रीम, घी, मावा कतली, मावा बर्फी, नमकीन खुरमा, लॉग्न सेव और पेटिस के नमूनों पर भी सवाल उठे हैं।खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जारी सूची में पनीर के नमूनों की संख्या सबसे अधिक है। श्री कृष्णा डेयरी, नेशनल डेयरी, जीत दाबा एंड फैमिली रेस्टोरेंट, होटल श्री रंजिर्देसी, शिव शंभू रेस्टोरेंट, होटल प्लाजा इन, होटल आमेर ग्रीन और होटल पुष्पांजलि सहित कई प्रतिष्ठानों के पनीर के नमूने

अमानक पाए गए हैं। सूची में कृष्णा दूध डेयरी, नीलबड़ से पनीर और गाय के दूध, जबकि न्यू इंडियन डेयरी, अशोका गार्डन से भैंस के दूध का नमूना भी अमानक दर्ज किया गया है। नेशनल डेयरी एंड स्वीट्स, कोहेर्फजा और राजा दूध डेयरी, बैरसिया के भैंस के दूध के नमूनों पर भी कार्रवाई की गई है।

मिठाइयों और नमकीन के नमूनों में भी गड़बड़ी मिली है। रानी स्वीट के मावा कतली, राजोरिया होटल और अजय बेकरी एंड स्वीट्स के मावा बर्फी के नमूने मिथ्या छाप पाए गए। तन्वी एंटरप्राइजेज के नमकीन खुरमा, कनक फैसी जनरल एंड किराना स्टोर के लॉग्न सेव और एमआईएमएस कैंटीन की पेटिस भी इसी श्रेणी में दर्ज हैं। मनभावन किराना एंड जनरल स्टोर्स से लिए गए को-प्योर घी, भूमि ब्रांड के नमूने को भी अमानक बताया गया है। वहीं, गुप्ता पान मसाला स्टोर, जहांगीराबाद से लिए गए मूंगफली दाने का नमूना भी जांच में अमानक निकला। विभाग की सूची में गोस्वामी किराना स्टोर, न्यू बाग मुगलिया से लिए गए खुले रिफाईंड सोयाबीन तेल और श्री अरिहंत किराना स्टोर, भानुपुर के सोयाबीन तेल को प्रतिबंधित श्रेणी में दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, अंतिम पक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का सशक्त माध्यम : महापौर श्रीमती मालती राय

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा वार्ड क्रमांक 45 में जनकल्याण शिविर आयोजित, हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ एवं स्वीकृति पत्र



भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान - 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को भोपाल नगर निगम के वार्ड क्रमांक 45 में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा कि 07 अगस्त से प्रारंभ हुआ मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उत्कृष्ट, संवेदनशील एवं दूरदर्शी सोच का परिणाम है। प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले ये शिविर भोपाल सहित पूरे प्रदेश में जनकल्याण का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। प्रदेश सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए

भोपाल में वैध-अवैध होर्डिंग्स का मांगा हिसाब निगम बैठक में उठेगा

सवाल,सर्विस ब्लॉक की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव

भोपाल (आरएनएस) । भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक में वैध-अवैध होर्डिंग्स की संख्या का सवाल उठेगा। साथ ही सर्विस ब्लॉक को अधिकतम 20 साल तक देने, सोन चिरैया हॉर्कस कॉर्नर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और अमृत 2.0 के लिए 493.49 करोड़ रुपये का ऋण लेने के प्रस्ताव रखे जाएंगे।भोपाल में शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर लगे वैध-अवैध होर्डिंग्स को लेकर नगर निगम में सवाल उठने जा रहा है। बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र यति ने एमआईसी मंबर के तौर पर निगम से पूछा है कि शहर में कितने होर्डिंग्स वैध हैं और कितने अवैध। शनिवार को होने वाली नगर निगम परिषद की बैठक में इस सवाल का जवाब दिया जाएगा।

48 घंटे बाद भी महिला को गोली मारने वाले का सुराग नहीं, अब कॉल डिटेल खंगालेगी पुलिस

भोपाल (आरएनएस) । भोपाल के टीला जमालपुरा स्थित हैदर टावर की पांचवीं मंजिल पर टहल रही सायरा खान के घेर में गोली लगने के मामले में 48 घंटे बाद भी पुलिस को आरोपी का सुराग नहीं मिला है। पुलिस अब महिला के मोबाइल की कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज, आसपास के लोगों के बयान और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। राजधानी भोपाल के टीला जमालपुरा स्थित हैदर टावर की पांचवीं मंजिल पर टहल रही सायरा खान के घेर में गोली से लगे और गोली चलाने वाला कौन है, इन सवालों का जवाब 48 घंटे बाद भी पुलिस के पास नहीं है। महिला के बयानों से भी गोली चलाने वाले के बारे में कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। ऐसे में अब पुलिस महिला के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने के साथ ही आसपास रहने वाले लोगों से पूछाछ करने की तैयारी में है।पुलिस आपसी विवाद, अवैध हथियार से गली से गोली चलने और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

वास्तविक ग्रामीण परिवेश से खबर होने आए मध्यप्रदेश : सचिव डॉ. इलैया राजा टी

अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल ट्रेड शो आईटीबी एशिया के नेशनल टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन के टॉक सेशन को किया संबोधित

भोपाल (आरएनएस) । सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि पर्यटकों को वास्तविक, विशुद्ध और ग्रामीण परिवेश से रूबरू होनेके लिए मध्यप्रदेशआना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि मध्यप्रदेश केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विविधता और आतिथ्य के कारण सही मायनों में अतुल्य भारत का दिल है। सचिव डॉ. इलैया राजा, सिंगापूर के सैंड्स एक्सपोजे एंड कन्वेंशन सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल ट्रेड शो आईटीबी एशिया के नेशनल टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन (एनटीओ) टॉक सेशन को संबोधित कर रहे थे। सचिव सचिव डॉ. इलैया राजा ने पर्यटन में नवाचार और खोज पर बल देते हुए कहा कि यदि आवश्यकता आविष्कार की जननी है, तो जिज्ञासा खोज का पिता है। सचिव डॉ. इलैया राजा ने बताया कि कोविड महामारी के बाद वैश्विक पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदला है और यात्री अब स्थापित स्थलों से आगे बढ़कर नए अनुभवों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन में अत्यधिक भौड़ का मूल कारण कुछ सीमित स्थानों और सीमित समय पर केंद्रित होना है, जिसका सबसे प्रभावी समाधान पर्यटन मांग का पुनर्वितरण और अनछुए स्थलों को निरंतर खोज है।

रीडिस्ट्रिब्यूटिंग डिमांड थ्रू डिस्कवरी सत्र में प्रदेश के वन्यजीव, विरासत और कला का प्रभावी प्रदर्शन

एनटीओ टॉक सेशन में रीडिस्ट्रिब्यूटिंग डिमांड थ्रू डिस्कवरी विषय पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए सचिव डॉ. इलैया राजा टी ने मध्यप्रदेश के पर्यटन सामर्थ्य को वैश्विक पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि 25 प्रतिशत से अधिक वनाच्छादित क्षेत्र के साथ



मध्यप्रदेश देश का सबसे हरित राज्य है। इसके साथ ही यह एक प्रमुख जनजातीय राज्य है, जहाँ 7 प्रमुख जनजातियाँ और 45 उप-जनजातियाँ अपनी अनूठी परंपराओं और जीवन शैली को संजोए हुए हैं। प्रदेश 5 प्रमुख सांस्कृतिक अंचलों में विभाजित है, जहाँ चंदेरी और महेश्वरी का समृद्ध टेक्सटाइल क्राफ्ट, विश्वप्रसिद्ध गोंड चित्रकला तथा भोपाल का पारंपरिक जरी-जरदोजी शिल्प अद्वितीय पहचान रखते हैं।

सचिव डॉ. इलैया राजा ने प्रदेश को एक जीवंत वाइल्ड रिजिडम बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश देश का अग्रणी टाइगर स्टेट है। यहाँ 9 से अधिक टाइगर रिजर्व हैं। साथ ही मध्यप्रदेश चीता, लेपर्ड, वल्चर और घड़ियाल स्टेट भी है। पेंच नेशनल पार्क से जुड़ी



कलेक्टर श्री मिश्रा ने सुरभि गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भोपाल (आरएनएस) । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत बरखेड़ी अब्दुल्ला स्थित सुरभि गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान



नगर निगम भोपाल के आयुक्त एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी उपस्थित रहें। कलेक्टर ने गौशाला की व्यवस्थाओं एवं संबंधित कार्यों का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला पंचायत भोपाल की मुख्य

कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने जनपद पंचायत फंदा की ग्राम पंचायत बालमपुर, सूखीसेबनिया एवं डोब का भ्रमण कर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन गौशालाओं का निरीक्षण कर निर्माण कार्य दीपावली तक पूर्ण कराने तथा उनका संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। श्रीमती तिवारी ने ग्रामों में स्वच्छता व्यवस्था, खेन-तालाब निर्माण कार्यों तथा विद्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पेंशन प्राप्त करने में हितग्राहियों को आ रही समस्याओं का संज्ञान लेकर उनका त्वरित निराकरण कराया गया। उन्होंने विभागीय योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए वीबी-जी राम-जी योजना के प्रभावी क्रियावन्वयन के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को पूर्व से लंबित विकास कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराने तथा कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं करने के लिए निर्देशित किया। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण करते हुए श्रीमती तिवारी ने सभी आवास निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

घाने में रखे जब्बी वाहनों में भीषण आग, पांच कारें और स्कूटर जलकर खाक

भोपाल (आरएनएस) । भोपाल के जहांगीराबाद थाना परिसर में खड़े जब्त वाहनों में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से पांच कारें और एक स्कूटर जल गए। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद थाने में खड़े जब्त वाहनों में आग लगने से पांच कारें और एक स्कूटर जलकर खाक हो गए। दोपहर में थाना परिसर के पास खड़ी कारों में अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर पुलिसकर्मियों ने उसे बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। घटना ने थानों में लंबे समय से जमा पुराने जब्त वाहनों के निस्तारण की व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहांगीराबाद थाना प्रभारी हरकिशन लोरिया के मुताबिक, थाना परिसर के सामने लंबे समय से जब्त और कंडम वाहन खड़े हैं।

न महंगे कपड़े, न बड़ा स्टूडियो, घर की गली से शुरु हुआ सफर

अब मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बना रहें प्रीति



प्रजापति की मॉडलिंग की कहानी की शुरुआत इन्हीं से हुई। न महंगे डिजाइनर कपड़े खरीदने का खर्च, न बड़ा स्टूडियो और न ही फैशन की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए कई बड़ा मंच। इसके बावजूद प्रीति ने सोशल मीडिया पर अपने वीडियो के जरिए पहचान बनानी शुरू की। अब उनका सपना अंतरराष्ट्रीय मॉडल और अभिनेत्री बनने का है। लहारपुर के रामेश्वरम एक्सपेंशन स्थित झुग्गी बस्ती में रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति के लिए सोशल मीडिया पर आने का फैसला आसान नहीं था। पढ़ाई और वीडियो बनाने के बीच तालमेल नहीं बैठ पा रहा था। ऐसे में उन्होंने सोशल मीडिया को गंभीरता से आगे बढ़ाने का फैसला किया। करीब तीन साल पहले शुरू हुआ यह सफर धीरे-धीरे उनके लिए करियर की दिशा बन गया।

विश्वविख्यात मोगली और द जंगल बुक की कहानियाँ पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण हैं।

यहाँ पेंच में रोमांचकनेचर वॉक और ऐतिहासिक नगरी ओरछा में बेतवा नदी पर रिक्च रॉपिंग जैसे अनूठे साहसिक अनुभव उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में 22 यूनेस्को धरोहर स्थल (सांची स्तूप, खजुराहो मंदिर और भीमबेटका के प्राचीन शैलचित्र सहित 3 स्थायी व 19 संभावित स्थल) मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने और ऑफबीट गंतव्यों को जोड़ने के लिए प्रदेश में हेली पर्यटन सेवा का विस्तार किया जा रहा है। मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक अनुकूल फिल्म-फंउली राज्य है, जिसने स्पेशिय फिल्म कमीशन के साथ एमओयू कर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पर्यटन को नई गति दी है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। प्रदेश में महिला सफारी चालकों और सर्व-महिला संचालित होटलों के माध्यम से सुरक्षित व जिम्मेदार पर्यटन को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

एन्जीबिटर्स, ट्रेवल और ट्रू ऑपरेटर को ग्रामीण पर्यटन, आत्मीय आतिथ्य और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने का आमंत्रण सचिव डॉ. इलैया राजा टी. ने अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल समुदाय, ट्रू ऑपरेटर्स और वैश्विक पर्यटकों को मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का ग्रामीण पर्यटन स्थानीय समुदायों और नागरिकों के साथ मिलकर संचालित हो रहा है, जिससे पर्यटकों को स्थानीय जीवन, कला और परंपराओं को अत्यंत निकट से देखने का अनूठा अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि किसी भी टूरिस्ट डेस्टिनेशन की वास्तविक सुंदरता केवल उसके प्राकृतिक दृश्यों या स्मारकों में नहीं, बल्कि वहाँ के स्थानीय नागरिकों के आत्मीय व्यवहार और सत्कार में निहित होती है। उन्होंने वैश्विक सैलानियों से मध्यप्रदेश के अनूठे और पारंपरिक खान-पान का लुत्फ उठाने का विशेष आग्रह किया।

महाकाल मंदिर की सुरक्षा परखने उतरे एनएसजी के 150 कमांडो, रात 2 बजे तक चला मॉक ड्रिल

उज्जैन (आरएनएस)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में एनएसजी मुंबई की टीम ने देर रात मॉक ड्रिल की। करीब 150 कमांडो ने बुलेटप्रूफ वाहनों के साथ अभ्यास किया। इसका उद्देश्य सुरक्षा बलों की तत्परता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और एजेंसियों के बीच समन्वय परखना था। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG), मुंबई की टीम ने देर रात मंदिर परिसर में मॉक ड्रिल की। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों, सुरक्षा बलों की तत्परता और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को परखना था। इससे पहले भी महाकाल मंदिर और आसपास के संवेदनशील इलाकों में उच्चस्तरीय सुरक्षा मॉक ड्रिल की जा चुकी हैं। रात करीब 11 बजे शुरू हुआ मॉक ड्रिल मध्यरात्रि के



बाद 2 बजे तक चला। इसमें एनएसजी के करीब 150 कमांडो शामिल हुए। पूरी तरह सुसज्जित कमांडो बुलेटप्रूफ वाहनों के

साथ महाकाल लोक के नंदी द्वार पहुंचे। यहां वरिष्ठ अधिकारियों ने जवानों को ऑपरेशन से संबंधित जरूरी ब्रीफिंग दी।

इसके बाद कमांडो ने महाकाल लोक के मानसरोवर क्षेत्र से लेकर त्रिनेत्र कंट्रोल रूम के बीच अलग-अलग रणनीतिक स्थानों पर मोर्चा संभाला। इस दौरान संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का सजीव अभ्यास किया गया।एडिशनल एसपी आलोक शर्मा ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा बलों की तत्परता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल को परखना था। आपातकालीन सुरक्षा प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए कमांडो ने वास्तविक आपात स्थिति जैसी परिस्थितियों में अभ्यास किया।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 में उद्घोषपतियों /निवेशकों को लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए।

मजदूरी कर रहे 14 साल के बालक की दर्दनाक मौत, ठेकेदार पर केस दर्ज, माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल

इंदौर (ए.)। बाणगंगा थाना क्षेत्र के ग्राम बरदरी में निर्माणाधीन साइट पर खुले बिजली के तार की चपेट में आने से 14 वर्षीय बाल मजदूर जयेश की करंट लगने से मौत हो गई। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर पुलिस ने देवास निवासी ठेकेदार दानिश खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इंदौर के बाणगंगा थाना अंतर्गत ग्राम बरदरी में एक निर्माणाधीन इमारत में काम करने के दौरान 14 वर्षीय बाल मजदूर की करंट लगने से असमय मौत हो गई। पानी की टंकी के पास चल रहे इस निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी की गई थी। इस पूरे मामले में बाणगंगा पुलिस ने जांच के बाद ठेकेदार को आरोपी बनाते हुए उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा 4 जुलाई की शाम करीब 6 बजे हुआ था। मूल रूप से अलीराजपुर के जोबट निवासी 14 वर्षीय जयेश पुत्र ज्ञानसिंह डावर ग्राम बरदरी स्थित साइट पर रोज की तरह काम कर रहा था। काम के दौरान निर्माण स्थल पर फैला हुआ खुला बिजली का तार अचानक जयेश के संपर्क में आ गया, जिससे उसे भीषण करंट लगा और वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा।

इंदौर से थाईलैंड जाने वाले यात्रियों का इंतजार खत्म, 2 दिसंबर से बैकॉक के लिए सीधी उड़ान

इंदौर(ए.)। इंदौर से थाईलैंड जाने वाले यात्रियों के लिए एक बहुत ही बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब यात्रियों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म



होने जा रहा है क्योंकि एयर इंडिया एक्सप्रेस इंदौर और बैकॉक के बीच अपनी सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है। डीजीसीए द्वारा जारी किए गए फाइनल विंटर शेड्यूल में इस उड़ान की शुरुआत 2 दिसंबर से तय कर दी गई है। इस नए कदम से इंदौर शहर की अंतरराष्ट्रीय

हवाई कनेक्टिविटी को बेहद मजबूती मिलेगी और साथ ही थाईलैंड की यात्रा करने वाले सभी यात्रियों को भारी सुविधा मिलेगी। अब बस यात्रियों को एयरलाइन कंपनी की तरफ से आधिकारिक बुकिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा जारी किए गए फाइनल विंटर शेड्यूल के अनुसार इंदौर और बैकॉक के बीच इस विमान का संचालन सप्ताह में कुल चार दिन किया जाएगा। इन दिनों में मुख्य रूप से सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार का दिन शामिल किया गया है। इस उड़ान का संचालन आगामी 26 मार्च 2027 तक के लिए पूरी तरह से निर्धारित कर दिया गया है।



अशोकनगर(ए.)। सड़क पर कुछ मिनट पहले पहुंचने की होड़ किस तरह लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है, इसका दर्दनाक उदाहरण अशोकनगर- गुना मार्ग पर देखने को मिला। शादौरा थाना क्षेत्र के सेजी गांव के नजदीक 19 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे हुए हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक और कंटेनर के चालक एक-दूसरे से आगे निकलने के प्रयास में तेज रफ्तार

व्यापार समाचार

अक्टूबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां 4 महीने के उच्च स्तर पर पहुंची, घरेलू और निर्यात मांग से मिली मजबूती : पीएमआई डेटा



नई दिल्ली (ए.)। अक्टूबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों (बिजनेस एक्टिविटी) में जोरदार तेजी दर्ज की गई और यह चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी द्वारा जारी फ्लैश पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) आंकड़ों के अनुसार, घरेलू मांग के साथ-साथ विदेशी बाजारों से मिले मजबूत ऑर्डरों ने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों को गति दी है। साथ ही महंगाई से जुड़े दबावों में भी नरमी देखने को मिली है।

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की संयुक्त गतिविधियों को मापता है, सितंबर के 55.9 से बढ़कर अक्टूबर में 56.7 पर पहुंच गया। 50 से ऊपर का स्तर आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत माना जाता है। यह जून के बाद कारोबारी गतिविधियों की सबसे तेज वृद्धि है।

आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बाजार की स्थितियों में सुधार और नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी की जानकारी दी। विदेशी मांग भी मजबूत रही और निर्यात ऑर्डरों में पिछले छह महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डरों की वृद्धि सितंबर के स्तर के आसपास बनी रही, लेकिन इसके पीछे सबसे महत्वपूर्ण पहलू निर्यात मांग में आई तेजी रही। उन्होंने कहा कि जून 2025 के बाद पहली बार निर्यात ऑर्डरों में इतनी मजबूत वृद्धि देखने को मिली है।

उन्होंने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माताओं ने कच्चे माल और तैयार माल दोनों का भंडारण बढ़ाया है। इसके साथ ही उत्पादन लागत और बिज्ी मूल्य पर पड़ने वाला दबाव भी लगातार कम हो रहा है, जो महंगाई के मोर्चे पर राहत का संकेत है।

हालांकि रोजगार के मोर्चे पर तस्वीर कुछ मिश्रित रही। निजी क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की गति धीमी पड़ी और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने लगातार नौ महीनों तक कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के बाद इस बार नए कर्मचारियों की भर्ती लगभग रोक दी। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, लेकिन यह वृद्धि सीमित रही।

कई कंपनियों का मानना है कि मौजूदा स्टाफ स्तर फिलहाल काम के दबाव को संभालने के लिए पर्याप्त है, इसलिए बड़े पैमाने पर नई नियुक्तियों की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लांबित कार्यभार (बैकलॉग) में लगातार तीसरी बार गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट पिछले साढ़े छह वर्षों में संयुक्त रूप से सबसे तेज रही, जो इस बात का संकेत है कि कंपनियां काम को पहले की तुलना में अधिक कुशलता से पूरा कर रही हैं।

इसके अलावा, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैनुफैक्चरिंग पीएमआई अक्टूबर में 54.9 दर्ज किया गया, जो विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार को दर्शाता है।

वैश्विक दबाव के चलते सोना-चांदी धड़ाम; सिल्वर में 6,799 रुपए की गिरावट, कीमत 2 लाख के नीचे फिसली

नई दिल्ली (ए.)। पिछले कुछ समय से कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। पिछले दिन की गिरावट के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में एक बार फिर सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली।

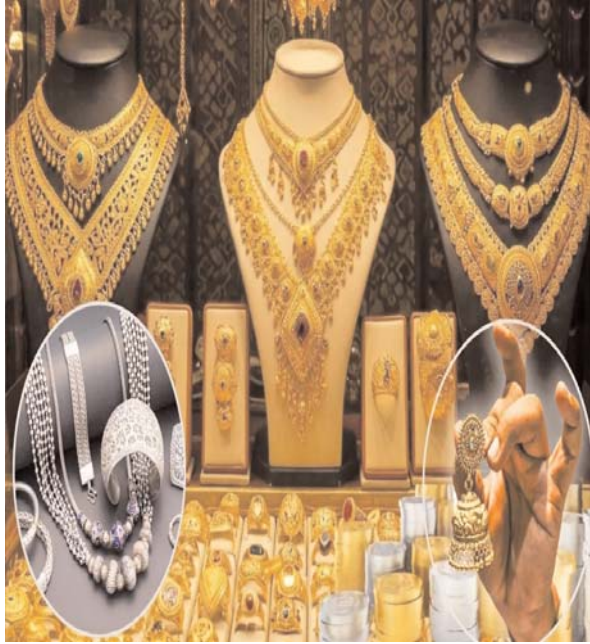
वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली, कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बने रहना और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे रहने की आशंका ने निवेशकों का रुख प्रभावित किया है, जिसका असर सोने और चांदी दोनों पर पड़ा, जिसके चलते घरेलू बाजार में चांदी का भाव एक बार फिर 2 लाख प्रति किलोग्राम के नीचे पहुंच गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,43,309 रुपए से 1,251 रुपए यानी 0.87 प्रतिशत फिसलकर 1,42,058 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में एक समय यह 1,503 रुपए यानी 1.04 प्रतिशत गिरकर 1,41,806 रुपए प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान इसमें कुछ सुधार जरूर हुआ, लेकिन खबर लिखे जाने तक सोना 629 रुपए या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,680 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

वहीं, चांदी में गिरावट और भी अधिक रही। दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 1,99,599 रुपए से 3,012 रुपए यानी 1.50 प्रतिशत लुढ़ककर 1,96,587 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली।

जबकि दिन के कारोबार में एक समय इसमें 6,799 रुपए यानी 3.40 प्रतिशत की भारी दर्ज की गई और यह 1,92,800 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई, और इस तरह यह 2 लाख रुपए से नीचे लुढ़क



गई है।

हालांकि कारोबार के दौरान इसमें भी कुछ सुधार देखने को मिली और यह 1.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,96,276 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर ट्रेड करती नजर आई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई संबंधी

चिंताओं को बढ़ा रही हैं। यदि महंगाई ऊंची बनी रहती है तो प्रमुख केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रख सकते हैं। यही वजह है कि निवेशक फिलहाल सोने और चांदी में सावधानी बरत रहे हैं। इस बीच, वैश्विक बाजार में सोने की कीमत 4,000 डॉलर प्रति औंस के आसपास आ गई है, जिससे बाजार में कमजोरी का माहौल बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में भी सोना और चांदी दोनों कमजोरी के साथ कारोबार करते दिखे। सोना करीब 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,034 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता नजर आया, वहीं चांदी 1.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54.29 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। निवेशकों का ध्यान अब अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों, महंगाई के रुझान और केंद्रीय बैंकों की अगली नीतियों पर है।

विश्लेषकों का कहना है कि ऊंची बॉन्ड यील्ड और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से सोने जैसी गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में नरमी आगे चलकर कुछ समर्थन दे सकती है।

गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में सोने ने एमसीएक्स पर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम का रिकॉर्ड स्तर छुआ था। वहीं चांदी 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम के ऐतिहासिक उच्च स्तर तक पहुंच गई थी। मौजूदा कीमतों को देखें तो सोना अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुका है, जबकि चांदी रिकॉर्ड स्तर से करीब आधी कीमत पर कारोबार कर रही है।बाजार जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में कीमतों की दिशा अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों, चीन की अर्थव्यवस्था से जुड़े संकेतों, वैश्विक भू-राजनीतिक हालात और कच्चे तेल की चाल पर निर्भर करेगी।

भारतीय शेयर बाजार में तूफानी गिरावट, निवेशकों के डूबे 10 लाख करोड़



मुंबई(ए.)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में संसेक्स 125.56 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,123.83 और निफ्टी 87.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,600.00 पर था।इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू में करीब 10 लाख करोड़ की कमी आई। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, मिड और स्मॉलकैप शेयरों में तेज गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों को लेकर चिंता-बाजार टूटने के ये चार बड़े कारण रहे।बाजार में व्यापक आधार पर बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,263.30 अंक या 2.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 55,800.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 536.45 अंक या 2.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,739.45 पर बंद हुआ।करीब सभी सूचकांक लाल

निशान में बंद हुए। निफ्टी मेटल (2.71 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूम ड्यूरेबल्स (2.63 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (2.60 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (2.38 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (2.26 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.66 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (1.64 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया मैनुफैक्चरिंग (1.57 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (1.41 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (1.33 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (1.04 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ सबसे अधिक दबाव में रहे।

सेंसेक्स पैक में इटरनल, एलएंडटी, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, पेशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक गेनर्स थे। टाटा स्टील, ट्रेट, टेक महिंद्रा, बीईएल, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एसबीआई, एचयूएल, सन फार्मा, भारती एयरटेल, आईटीसी और एमएंडएम लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि बाजार में मुख्य चिंता निफ्टी की तुलना में मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में आई बहुत तेज गिरावट है। वैल्यूएशन से जुड़ी चिंताओं, लीवरेज्ड पोजीशन को हटाने, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने पूरे बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। इंडिया वीआईएक्स में उछाल यह भी बताता है कि निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, जबकि एआई के कारण वैश्विक इंक्रीटी बाजारों में हो रही बिकवाली निवेशकों के जोखिम लेने की क्षमता पर दबाव डाल रही है।

मिशन नशामुक्त भारत @ 31 दिसंबर 2029 –नशा माफियाओं की उलटी गिनती शुरू!

नशे से राष्ट्रविरोधी फडिंग तक निर्णायक वार!



करने के लिए 31 दिसंबर 2029 को समय सीमा निर्धारित की है।गृह मंत्री ने शेष 2026 तथा 2027, 2028 और 2029 को इस लड़ाई के लिए समर्पित करने की बात कही। यह घोष लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका सीधा संदेश पुलिस व्यवस्था के केंद्र तक जाता है। पुलिस स्मृति दिवस उन कर्मियों के बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उसी मंच से नशे के विरुद्ध अभियान को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना पुलिस बलों के सामने एक बड़ी जिम्मेदारी रखता है। अब आवश्यकता केवल छापेमारी, गिरफ्तारियों और जल्की के आंकड़े बढ़ाने की नहीं, बल्कि नशे के कारोबार के पुरे नेटवर्क को तोड़ने,दोषियों को सजा दिलाने और नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार तथा पुनर्वास उपलब्ध कराने की है।इस्करा पहले ही 2029 तक नशे के अवैध कारोबार को जड़ से उखाड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर रणनीति और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय पर जोर दे चुकी है। इस लक्ष्य की सफलता का पैमाना केवल यह नहीं होना चाहिए कि कितने मादक पदार्थ पकड़े गए, बल्कि यह भी होना चाहिए कि अवैध आपूर्ति कितनी घटी, युवाओं को नशे से बचाने में कितनी सफलता मिली और प्रभावित परिवारों को सटीकता से कितनी सहायता पहुंची। साथियों बात अगर हम पारंपरिक तस्करों से डिजिटल नेटवर्क तक-बदलते अपराध जगत की चुनौती को समझने की करें तो,पहले अवैध मादक पदार्थों का कारोबार मुख्यतः गुप्त संपर्कों व्यक्तिगत नेटवर्क सीमावर्ती तस्करों, अवैध भंडारण और स्थानीय वितरकों के माध्यम से चलता था।आज पारंपरिक तरीकों के साथ

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत में नशे की समस्या अब केवल कानून-व्यवस्था या स्वास्थ्य का विषय नहीं रह गई है,बल्कि यह देश की युवा पीढ़ी के भविष्य,परिवारों की खुशहाली,आर्थिकउत्पादकता आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्रीय विकास से जुड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। मादक पदार्थों का अवैध कारोबार समाज की जड़ों को कमजोर करता है,अपराध जगत को आर्थिक ताकत देता है और कुछ मामलों में आतंकवाद तथा अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की फडिंग का माध्यम भी बन सकता है।ऐसे में नशामुक्त भारत का लक्ष्य केवल सरकारी घोषणा नहीं, बल्किशासन-प्रशासन, पुलिस, न्यायपालिका, स्वास्थ्य तंत्र और समाज की सामूहिक परीक्षा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि दिनांक 21 अक्टूबर अक्टूबर 2026 कोराष्ट्रीय पुलिस स्मारक में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने के लिए गृहमंत्री की दौदूक ललकार हुई देशभर के पुलिस बलों से मिलकर काम करने का आह्वान करते हुए बुधवार को कहा कि मादक पदार्थों का इस्तेमाल देश की भावी पीढ़ियों के लिए खतरा है और इससे राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल संगठनों को वित्तीय मदद भी मिलती है।अब इस संकल्प की परिस्थितियों में इस विषय पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारत निर्धारित समयसीमा तक नशे के अवैध कारोबार पर ऐसा निर्णायक प्रहार कर पाएगा, जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे सके ? क्या पुलिस थानों से लेकर केंद्रीय एजेंसियों तक जवाबदेही सुनिश्चित करके नशे की सप्टाई चैन को तोड़ा जा सकता है ? और क्या नशे की मांग,लत तथा पुनर्वास की समस्या का समाधान किए बिना वास्तविक नशामुक्ति संभव है ? इन सवालों का उत्तर ही इस महाअभियान की वास्तविक सफलता तय करेगा।

साथियों बात अगर हम पुलिस स्मृति दिवस से राष्ट्रीय संकल्प तक- 31 दिसंबर 2029 को समय सीमा क्यों महत्वपूर्ण है ? इसको समझने की करें तो 21 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने देशभर के पुलिस बलों से नशे के विरुद्ध एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग भावी पीढ़ियों को खोखला करता है, अर्थव्यवस्था पर अनावश्यक बोझ डालता है और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल संगठनों को आर्थिक सहायता पहुंचा सकता है। सरकार ने देश को नशे की समस्या से मुक्त

विशेष आलेख : प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक

एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल...

डॉ. उषा किरण बड़ाईक

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरप्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक पक्के आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है। राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिद्दत से कोशिश की गई है। ज़िंदगी भर अपने पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी-थोड़ी बचत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संबल मिला तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हाँसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने को निर्णय लिया ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरगया। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। आत्मकमर्पित नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केंद्र शासन से मिली। जिनमें से राज्य में 5600 आवास स्वीकृत हुए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 47 हजार हितराहियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए थे। नवीन सरकार गठन के बाद इस श्रेणी के 39000 आवास स्वीकृत किए गये। जिसमें 24000 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

वर्ष 2024 का नया सर्वे – वर्ष 2024 में आवास प्लस 2.0 का नया सर्वे किया गया। 11 सितंबर 2026 को भारत सरकार से

छत्तीसगढ़ को करीब 3.65 लाख नए आवासों का लक्ष्य मिला है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असर

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 2 लाख 43 हजार स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों में एएचपी घटक के 29,267 आवास हैं।

पिछले ढाई वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत राज्य की प्रगति

बीएलसी घटक के अंतर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एएचपी घटक में 14,687 हितराहियों को आवास आर्बिटर्ड किया गया है। एएचपी घटक में 12,530 हितराहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थापन किया गया है। आवास निर्माण हेतु नगरीय निकायों को 909 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

‘प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0’

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी शहरों में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक आधारित सर्वे और तेज़ स्वीकृति प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। ‘प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0’ अंतर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्गों से कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। टपकती छत, दीवारों में सीलन, गर्मी और ठंड से बचाव की कठिनाइयां तथा असुरक्षित आवास जैसी समस्याएं रही हैं। ऐसे परिवारों के लिए पक्का मकान केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जीवन में स्थायी बदलाव का माध्यम है। बुनियादी सुविधाएं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लेकर आ रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनसामान्य को स्वच्छ पेयजल, राशन, गैस चूल्हा व सिलेंडर, बिजली, शौचालय, जैसी अन्य सुविधाएं मिलने पर आवास की महत्ता एवं उपयोगिता बढ़ जाती है एवं जीवन स्तर में उन्नयन विकास की दिशा में अग्रसर है।

आज का राशिफल	
मे़ष राशि :- यात्रा भय, कष्ट, व्यापार बाधा, लाभ पारिवारिक समस्या, उलझन भरी रहेगी, ध्यान रहे। वृष राशि :- राज भय रोग स्वजन सुख शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता व प्रगति होगी। मिथुन राशि :- वाहन भय, मातृ-पितृ कष्ट, हानि, व्यर्थ तनाव, अनाप-सनाप खर्च से परेशानी हो। कर्क राशि :- सम्पत्ता, उन्नति, शुभ-कार्य, विवाद, उद्योग-व्यापार में उच्च की स्थिति बन सकेगी। सिंह राशि :- शरीर कष्ट, उत्तम व्यय, खर्च, सफलता, व्यवस्था में साधारण लाभ हो सकेगा। कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री-कष्ट, विद्या लाभ, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे तथा संतान प्राप्त होगी।	तुला राशि :- यात्राएँ, हानि, राजभय, लाभ, शरीर कष्ट, व्यापार में सुधार, प्रगति की संभावना है। वृश्चिक राशि :- वृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पति लाभ, कारोबार में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। धनु राशि :- अल्प-लाभ, शरीर कष्ट, चोट आदि का भय है, शिक्षा की स्थिति ठीक रहेगी। मकर राशि :- शत्रु से हानि होने की संभावना है, शरीर सुख, उद्योग-व्यापार के लिए प्रयास करें। कुंभ राशि :- लोगों से मेल-मिलाप के पश्चात भी कार्य अवरोध तथा बेचैनी अवश्य हो बनेगी। मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, न्याय, लाभ-हानि, व्यय, जीवन संतोष जनक होगा।

विशेष लेख : रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी

धनंजय राठौर
छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी

देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र

और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से

छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ़्रस्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग

छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाइन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और रेलदोबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद

मिलेगी।

बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोतापुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोतावलस-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना

प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करवला, मुंगुली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है।

विचार-स्वातंत्र्य: तर्क और प्रमाण की कसौटी पर

(डॉ.)मनमोहन प्रकाश
मानव सभ्यता का इतिहास केवल उपलब्धियों और आविष्कारों का नहीं, बल्कि प्रश्नों, विचारों और सत्य की निरंतर खोज का भी इतिहास है। अंधविश्वास से विवेक, रूढ़ियों से सुधार और निरंकुशता से लोकतांत्रिक चेतना की यात्रा में विचार-स्वातंत्र्य की निर्णायक भूमिका रही है। इसका वास्तविक अर्थ केवल अपनी बात कहने की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि स्थापित मान्यताओं पर प्रश्न उठाने, असहमति व्यक्त करने और प्रत्येक दावे को तर्क, प्रमाण तथा विवेक की कसौटी पर परखने का अवसर भी है।भारतीय चिंतन परंपरा में प्रश्न, संवाद और शास्त्रार्थ का समृद्ध इतिहास रहा है। न्याय दर्शन ने प्रमाण और तार्किक विवेचन को महत्व दिया, जबकि बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे दर्शनों ने ज्ञान, सत्य और प्रचलित मान्यताओं पर विविध दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। सभी कथन के आधार पर किसी विचार को स्वीकार करने के बजाय उसके विवेकपूर्ण परीक्षण और नैतिक परिणामों पर ध्यान देने की शिक्षा देते हैं। संत कबीर ने भी धार्मिक आडंबर और बाहरी दिखावे की आलोचना करते हुए ज्ञान के साथ विवेक और आत्मबोध का महत्त्व रेखांकित किया।आधुनिक विज्ञान ने विचार-स्वातंत्र्य को प्रामाण-आधारित पद्धति प्रदान की। कोपरनिकस, गैलीलियो और न्यूटन के योगदान ने प्राकृतिक घटनाओं की समझ को नई दिशा दी। विज्ञान की वास्तविक शक्ति केवल स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने में नहीं, बल्कि प्रेक्षण, परीक्षण और नए प्रमाणों के आधार पर अपने निष्कर्षों में संशोधन करने की तत्परता में निहित है। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण अंधाधुनिकता से अलग करता है।आज डिजिटल युग में, विशेषकर जेन-जी के सामने, सूचना की उपलब्धता के साथ उसकी सत्यता पहचानने की चुनौती भी है। सामाजिक माध्यमों पर लोकप्रियता, भावनात्मक अपील या बार-बार प्रसारित होने से कोई दावा प्रमाणित नहीं हो जाता। कृत्रिम

बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक वीडियो, भ्रामक संदेश और संदर्भ विहीन सामग्री वास्तविकता का भ्रम पैदा कर सकती है। इसलिए किसी सूचना को साझा करने से पहले उसके मूल स्रोत, तारीख और विश्वसनीयता की जाँच तथा अन्य स्वतंत्र स्रोतों से पुष्टि आवश्यक है। सूचना पर संदेह करना उसका खंडन नहीं, बल्कि सत्यापन की पहली कौड़ी है।तर्कशीलता का अर्थ केवल दूसरों के विचारों पर प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि अपनी मान्यताओं और पूर्वाग्रहों की भी समीक्षा करना है। केवल अनुकूल तथ्यों को स्वीकार करना और विपरीत प्रमाणों को नकारना पुष्टि-पक्षपात है। असहमति शत्रुता नहीं और आलोचना अपमान नहीं है। स्वस्थ लोकतंत्र में विचारों की निर्भीक आलोचना के साथ व्यक्ति की गरिमा और दूसरों के अधिकारों का सम्मान भी आवश्यक है।भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51क(ह) में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताया गया है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद तथा जनार्जन और सुधार की भावना का विकास करे। यह संवैधानिक अपेक्षा शिक्षा, सामाजिक व्यवहार और सार्वजनिक संवाद जैसे सभी क्षेत्रों में प्रासंगिक है। परिवारों और शिक्षण संस्थानों को युवाओं में सही उदात्त याद करने के साथ सही प्रश्न पूछने, प्रमाण पहचानने और मतभेदों के बीच संवाद करने की क्षमता भी विकसित करनी चाहिए।

विचार-स्वातंत्र्य का अर्थ प्रत्येक दावे को सत्य मान लेने की छूट नहीं, बल्कि सत्य की खोज में उसे प्रमाणों के आधार पर परखने का अधिकार और दायित्व है। प्रबुद्ध समाज वह नहीं जहाँ सभी एक जैसा सोचें, बल्कि वह है जहाँ विविध विचारों को सुनने और तर्कपूर्ण विमर्श की स्वतंत्रता हो। राष्ट्र की बौद्धिक प्रगति इस बात से निर्धारित होती है कि उसके नागरिक कितनी ईमानदारी से प्रश्न पूछते हैं, प्रमाणों का सम्मान करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपने विचार बदलने का साहस दिखाते हैं।

शनिवार 24 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

दवाओं की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दवाओं की कीमतों को लेकर केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। हलफनामे में सरकार ने कहा है कि गैर-अनुसूचित कैसर को दवाइयों पर ट्रेड मार्फिन को एपआरपी (अधिकतम खुराक मूल्य) के 30 फीसदी तक सीमित करने का फैसला लिया है। सरकार ने कैसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली उन दवाइयों की सूची तैयार करने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की है, जिन पर यह व्यवस्था लागू की जा सकती है। 9 अक्टूबर 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की। कमेटी को 10 से 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। हलफनामे में एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) इस मामले पर विचार करेगा और जरूरी निर्देश जारी करेगा। सरकार का कहना है कि इससे गैर जरूरी मुनाफे पर रोक लगेगी। सरकार का अनुमान है कि इस व्यवस्था से संबंधित कैसर को दवाइयों की एपआरपी में लगभग 20 से 70 फीसदी तक कमी हो सकती है। मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ की बचत हो सकती है।

केन्द्र सरकार ने कहा है कि वह पहले भी कई दवाइयों और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा चुकी है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में माना कि उसे इस समस्या की जानकारी है कि अस्पतालों में दवाओं और मेडिकल सामान के लिए ज़ायदा पैसे वसूले जा रहे हैं। वह इस समस्या को दूर करने के उपाय तलाश रही है।

सरकार ने कहा है कि भारत में कई कंपनियां कम कीमत पर दवाएं बनाती हैं, फिर भी मरीजों को कई बार बहुत ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं। अस्पतालों में मरीजों की मोलभाव करने की क्षमता बहुत कम होती है। मरीजों को अक्सर दवाओं की सही कीमत और सस्ते विकल्पों की जानकारी नहीं होती। ऐसे में कुछ अस्पताल कैसर्स की दवाओं पर 700 फीसदी तक ज्यादा कीमत वसूलते हैं।

नोएडा में एमएलसी चुनाव के दौरान भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक

नोएडा, (आरएनएस)। नोएडा में एमएलसी चुनाव के दौरान शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक का मामला सामने आया है। चुनाव के दौरान बस्ता लगाने को लेकर दोनों पक्षों के कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जिससे मौके पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामले को शांत करवाया। यह पूरा मामला नोएडा के थाना फस-2 क्षेत्र स्थित पंचशाल इंटर कॉलेज का बताया जा रहा है। यहां एमएलसी चुनाव के दौरान भाजपा और सपा से जुड़े नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच बस्ता लगाने को लेकर विवाद हुआ। चुनाव के दौरान अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में बस्ता लगाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। विवाद बढ़ते पर मौके पर मौजूद लोगों के बीच हलचल मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई और मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। इसके बाद मौके पर स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया गया। किसी भी तरह की अग्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने सतर्कता बरती। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीसी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ बढ़ रहा प्रदूषण का स्तर, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 300 के पार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों बदलते मौसम के बीच प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताप पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। एक ओर जहाँ तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, वहीं दूसरी ओर हवा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 23 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, और आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। 24 और 25 अक्टूबर को तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, जहाँ अधिकतम तापमान 33 डिग्री तक पहुँच सकता है। हालाँकि, 26 अक्टूबर से मौसम का मिजाज फिर बदलेगा। 26 अक्टूबर को न्यूनतम तापमान गिरकर 17 डिग्री पर आ जाएगा। 27 और 28 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री के आसपास बना रहेगा। इन दिनों आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम में बदलाव के साथ-साथ एनसीआर की हवा जहरीली होती जा रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई इलाकों में लाल निशान के पार पहुँच चुका है।

दिल्ली के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में है। दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 260, आनंद विहार में 218, अशोक विहार में 193, आया नगर में 232, बवाना में 269, बुढाड़ी क्रॉसिंग में 246 और कैटोनमेंट एरिया में 159 दर्ज किया गया है। यदि ग्रेटर नोएडा की बात करें तो यह 371 की हवा सबसे ज्यादा जहरीली हो गई है। नॉलज पार्क- III में एक्यूआई 337 और नॉलज पार्क- V में एक्यूआई 376 तक पहुंच गया है,

लॉरेंस बिश्नोई के भतीजे को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती करने के बाद बाहर सुरक्षा कड़ी

जयपुर, (आरएनएस)। गैंगस्टर लॉरंस बिश्नोई के भतीजे सचिन उर्फ सदीप को लगातार 16 दिनों तक खाना नहीं खाने के बाद उसे जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के महेनवर जिला पुलिस से अस्पताल के बंदी वार्ड में सस्पेंड पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। जेल अधीक्षक पारस जांगड़ ने पुष्टि की कि मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। हालांकि, सचिन को लंबी भूख हड़ताल के पीछे के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। जानकारी के अनुसार, सचिन 5 अक्टूबर से भोजन खाने से इनकार कर रहा था। जेल प्रशासन का कहना है कि उसे रोजाना खाना उपलब्ध कराया जाता रहा, लेकिन उसने लगातार भोजन लेने से मना कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उसने भूख हड़ताल को लेकर न तो कोई लिखित आवेदन दिया और न ही अपनी कोई मांग सामने रखी। पंजाब के फाजिल्का जिले के बहाववाला क्षेत्र स्थित दुतरावाली गांव का निवासी सचिन मई 2024 में जोधपुर सेंट्रल जेल से अजमेर हाई-सिक्योरिटी जेल में स्थानांतरित किया गया था। शुरुआत में उसे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े अन्य कैदियों के साथ रखा गया था। बाद में बैरक में लगे सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाने की एक घटना के बाद सचिन और उसके सहयोगियों को अलग-अलग वार्डों में भेज दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, सचिन ने शुरुआत में जेल अधिकारियों को बताया था कि वह नवरात्रि व्रत रख रहा है। हालांकि, नौ दिन का त्योहार समाप्त होने के बाद भी उसने नियमित भोजन ग्रहण नहीं किया। इस दौरान उसने जेल कैटरों से फल और अन्य सामान लिया, नवरात्रि पूजा के लिए सामग्री मंगाई और कथित तौर पर मौन व्रत भी रखा। इस अवधि में उसके वकील ने भी उससे मुलाकात की थी।

A photograph showing three people walking across a bridge. The person on the left is a man in a pink shirt and black pants, wearing a black face mask and holding a black bag. The person in the middle is a man in a dark jacket and light blue pants, also wearing a black face mask. The person on the right is a woman in a yellow dress, wearing a black face mask and carrying a black bag. They are all walking towards the camera. The background shows a wide bridge with other people in the distance, and a hazy, overcast sky.

जो कि बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में आता है।

वहीं, गाजियाबाद की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। गोविंदपुरम में एन्यूआई 322, इंदिरापुरम में 281, संजय नगर में 291 और वसुंधरा में 304 दर्ज किया गया है, जो लाल श्रेणी में हैं। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि तापमान में अचानक आ रही यह गिरावट और हवा की रफ्तार में कमी प्रदूषण को और अधिक बढ़ाने का काम कर रही है।

हिमाचल में 2027 में भाजपा की सरकार बनने का अनुराग ढाकुर ने किया दावा, कांग्रेस की गारंटियों पर उठाए सवाल

शिमला, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुणग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने प्रदेश में स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनावी गारंटियाँ पूरी नहीं करने और प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर भी निशाना साधा। शिमला में मीडिया से बातचीत के दौरान अरुणग ठाकुर ने कहा कि चार नगर निगमों में से तीन में भाजपा, 12 जिला परिषदों में से 11 में भाजपा और पंचायती राज चुनावों में लगभग 10 प्रतिशत जीत का दावा पार्टी के पक्ष में जनता के रुझान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन तर्जिहों से संकेत मिलता है कि 2027 में हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने उद्योग विधानसभा क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि वहाँ भी बड़ी संख्या में बीडीसी चेयरमैन, नगर पंचायत सदस्य, पंचायती राज संस्थाओं के अध्यक्ष, उपप्रधान और वार्ड सदस्यों के चुनाव में भाजपा को जीत मिली है।

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस की चुनावी गारंटियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी अपने वादों

हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म कराने की तैयारी, सरकार करेगी इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2023 की धारा 108 का इस्तेमाल

चंडीगढ़ (आएनएस)। हरियाणा में बिजली कर्मचारियों को तीन दिवसीय हड़ताल के बीच राज्य सरकार ने इसे खत्म कराने के लिए कदम उठाने की तैयारी की है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के मुताबिक, सरकार इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2023 की धारा 108 का इस्तेमाल करेगी। सरकार के इस कदम से हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रगुलेटरी कमीशन के उस फैसले पर रोक लगने की संभावना है, जिसके तहत नूंह और गुरुग्राम में बिजली वितरण का काम निजी कंपनी को सौंपने का निर्णय लिया गया था। निजीकरण के फैसले के विरोध में हड़ताल बिजली कर्मचारी नूंह और गुरुग्राम में बिजली वितरण का काम निजी कंपनी को देने के फैसले के विरोध में तीन दिन की हड़ताल पर हैं। हड़ताल के पहले ही दिन कई स्थानों पर बिजली से जुड़ी सेवाओं को लेकर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इससे आम उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि सरकार इस मामले में इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2023 की धारा 108 का सहारा लेगी। इसके साथ ही सरकार और बिजली कर्मचारियों के बीच बातचीत का रास्ता भी खुला है। आज दोपहर 3 बजे बिजली कर्मचारियों के साथ सरकार की बैठक प्रस्तावित है। सरकार की ओर से धारा 108 के इस्तेमाल की तैयारी और कर्मचारियों के साथ होने वाली बैठक के बाद हड़ताल जल्द खत्म होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, हड़ताल समाप्त होने और बिजली वितरण के निजीकरण से जुड़े फैसले पर आगे क्या कार्रवाई होगी, यह बैठक के नतीजों की सरकार के अगले कदम पर निर्भर करेगा।

पंजाब में पराली जलाने की 510

घटनाएं दर्ज, 184 मामलों में लगा पर्यावरणीय जुर्माना



पटियाला (, आरुणप्रसाद)। पंजाब में धान की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को कार्रवाई जारी है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की 22 अव्यवहार तक की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में पराली जलाने की कुल 550 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 467 मामलों का भौतिक निरीक्षण किया जा चुका है। जबकि 184 मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा (ईसी) लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 195 ऐसे स्थानों की पहचान की गई, जहाँ पराली जलाने की घटनाओं को पुष्टि हुई। इसके अलावा चार मामलों में नोडल अधिकारियों या संबंधित कर्मचारियों की भूमिका से जुड़े रिपोर्टों को रोक दिया गया है। रिपोर्ट में पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में कुल 9.30 लाख रुपये लगाए जाते हैं और 4.93 लाख रुपये वसूल किए जा सकते हैं। जिलावार आंकड़ों में अमृतसर 136 घटनाओं के साथ सबसे आगे है। यहाँ 127 मामलों का निरीक्षण किया गया और 58 मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया तरनतारन में 247 घटनाएँ दर्ज की गई हैं, जिनमें 229 का निरीक्षण हुआ और 97 मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया। हालाँकि, रिपोर्ट में जिलेवार दर्ज घटनाओं के आंकड़ों का योग राज्य के कुल आंकड़े से अलग दिखाई देता है, इसलिए इन आंकड़ों की पुष्टि आवश्यक है। गुरदासपुर में 32, फिरोजपुर में 26, कर्णालपुर में 18 और फाजिंका व जलंधर में नौ-नौ घटनाएँ दर्ज की गई हैं। पटियाला में पाँच घटनाएँ सामने आई हैं, जिनमें चार का निरीक्षण किया गया और तीन मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया। रिपोर्ट में 227 नोडल और सुपरवाइजरों की अधिकारियों को चेतावनी नोटिस जारी करने का उल्लेख है। वहीं, चार मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है और 166 रेड एंटी रिपोर्टों की गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यशीलता निरोध के आदेश जारी नहीं किए गए हैं। प्रशासन की ओर से पराली जलाने की घटनाओं पर निगरानी और कार्रवाई को जारी रखी है। हालाँकि, खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के प्रयासों के बीच दर्ज घटनाओं और वसूले गए पर्यावरणीय मुआवजे के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि निगरानी और कार्रवाई को लगातार बढ़ाया बनाए रखने की जरूरत है।

टोक पुलिस की तत्परता : इजरायली युवती का खोया हुआ पासपोर्ट, नकदी, क्रेडिट कार्ड और महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित बरामद कर किए सुपुर्दे

टोंक (आरण्यपक्षी) राजस्थान पुलिस अपनी संवेदनशीलता, तत्परता और उत्कृष्ट कार्यशीलता के लिए देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानी जाती है। एक बार फिर टोंक जिले की मालपुरा पुलिस ने विदेशी सैनिकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का अनूठा उदाहरण पेश करके हुए रणथंबोर यात्रा के दौरान अपना कीमती सामान, पासपोर्ट और नकदी खो चुकी इजरायली युवती को उसका सारा सामान सकुशल बरामद कर वापस सौंप दिया है। समय पर मदद मिलने से खुश होकर इजरायली युवती ने राजस्थान पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। क्या था पूरा मामला? दिनांक 19 अक्टूबर को इजरायली युवती मोशाइफ़ नोइम अपने दोस्तों के साथ इजरायल से भारत भ्रमण पर आई हुई थीं। वह पुष्कर से रणथंबोर सफारी हेतु मोटर बाइक पर सवार होकर मालपुरा के रास्ते जा रही थीं। इस दौरान उसकी कमर पर एक बेल्ट परस बंधा हुआ था, जिसमें उसका पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, 4 क्रेडिट कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, 20,000 भारतीय मुद्रा तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज मौजूद थे।

यात्रा के दौरान जब वे उडियारा के पास पहुँचे, तो सुवर्ती ने अपना पर्स चेक किया जो कमर पर नहीं मिला। रास्ते में काफी तलाश करने के बावजूद जब पर्स और दस्तावेज नहीं मिले, तो वे अपनी शिकायत दर्ज करने पुलिस थाना मालपुरा पहुँचे। इस संबंध में थाना मालपुरा में तुरंत गुमशुदगी दर्ज कर त्वरित अनुसंधान शुरू किया गया।

**सिर्फ प्रोडक्ट ही फेल नहीं, उससे जुड़ी कंपनियां भी फेल,
सुधांशु त्रिवेदी का राहुल गांधी पर जोरदार तंज**



भारत विरोधी प्रचार करते हैं। दुर्भाग्य त्रिवेदी ने न, सत्ता से बाहर रहते हुए जल बिन कपटपी मछली को कांग्रेस पार्टी हैं। कांग्रेस पार्टी का मूल मंत्र सत्ता रहते हुए लूट-खसोट करना, समाज में फूट डालना भारतीय धर्म व संस्कृति के प्रति दिल में घृणा इसके ड्राइविंग इंजन दुर्भाग्य से देश में विपक्ष के भी हैं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, शायद देश कहीं ज्यादा कांग्रेस पार्टी के लिए, क्योंकि वह इस य देश से चंपत होकर, सूत्रों के अनुसार चंपा में व देश कर रहे हैं। चाकर, व्यतनाम का प्राचीन नाम व देश और अपनी खुद को पार्टी, दोनों के लिए पहली बन गए हैं। जहां प्रधानमंत्री मोदी का टैक



का है, वहीं राहुल गांधी का कहना है कि कांग्रेस के लिए समस्याओं से भरा देश नहीं है, न ही न केवल अपने भविष्य

देश के संवैधानिक ढाँचे है। भाजपा सांसद सुधांशु राखे के करमर्शन में तथ्य और (राहुल गांधी) एक फेल लोगो को शायद याद हो करे में पडा हो कि उन्हें दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्तर के लीट के तौर पर दाखिला क बाद वह अपने निशाने सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 2014 में कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी को अपना अधोषिषित नेता बना दिया और लोकसभा में पार्टी अपनी अब तक की सबसे निचली संख्या पर आ गई। नबपन में हम सपना देखते थे कि एक दिन भाजपा अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करेगी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वह सपना सच हो गया। हम यह भी सोचते थे कि क्या कांग्रेस की 100 सीटों से नीचे जा सकती है। 2014 में यह 50 सीटों से भी नीचे आ गई।

शनिवार 24 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

विदेश समाचार

UN में भारत ने पाकिस्तान को घेरा: ‘अल्पसंख्यकों की रक्षा नहीं कर सकता, तो भारत को उपदेश देने का नैतिक अधिकार नहीं’

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति और उनके अधिकारों को लेकर इस्लामाबाद पर तीखा हमला बोला। भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अपने यहां कमजोर और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहा है, लेकिन इसके बावजूद वह भारत को धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दों पर नसीहत देने की कोशिश करता है।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने असाधारण परिस्थितियों में अंतिम संस्कार के अधिकारों पर धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के लिए विशेष प्रतिवेदक के साथ संवाद के दौरान कोविड-19 महामारी से संबंधित रिपोर्ट के निष्कर्षों पर सवाल उठाए। उन्होंने रिपोर्ट में कथित पक्षपात और आतंकवादी हमलों में शामिल लोगों के अंतिम संस्कार के अधिकारों पर दिए गए जोर को लेकर भी चिंता जताई।

कोविड महामारी पर रिपोर्ट के नजरिये पर उठाए सवाल

भाविका मंगलानंदन ने कहा कि रिपोर्ट में कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक भेदभाव और अनुचित व्यवहार के लिए मुख्य रूप से ग्लोबल साउथ के देशों को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास दिखाई देता है, जबकि विकसित देशों में सामने आई ऐसी ही घटनाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया।

ताइवान में तूफान चांपी का कहर, स्कूल- कॉलेज-दफतर, शेयर मार्केट बंद, 600 से ज्यादा फ्लाइट्स कैसिल



ताइवान (आरएनएस)। ताइवान में टाइफून 'चाम्पी' के कारण बड़े पैमाने पर कामकाज बंद रहा; 600 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं और वित्तीय बाजार भी बंद रहे। हालांकि टाइफून 'चाम्पी' कमजोर पड़ रहा है और इसके सीधे तटीय इलाके से टकराने की संभावना नहीं है, फिर भी इसके कारण तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने का अनुमान था।

ताइवान ने सभी घरेलू उड़ानें रद्द कीं और बाजार बंद रखे

ताइवान के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि 23 अक्टूबर के लिए निर्धारित सभी 262 घरेलू उड़ानें और

350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। ताइवान के वित्तीय बाजार भी दिन भर बंद रहे। ताइवान के लगभग सभी हिस्सों में स्कूल और कार्यालय बंद रहे। केवल ताइवान के नियंत्रण वाले किनमैन द्वीपों पर कामकाज सामान्य रहा; ये द्वीप चीनी तट के काफी करीब स्थित हैं। राजधानी ताइपे में तेज हवाओं और बारिश के बीच, वहां की मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सीमित रूप से चालू रहीं। ताइवान का लगभग पूरा हिस्सा 'टाइफून चाम्पी' के आने से पहले बंद कर दिया गया।

इसके कारण तेज़ हवाएं चलने और भारी बारिश होने का अनुमान है। ताइवान के सेंट्रल वेदर एडमिनिस्ट्रेशन (CWA) के अनुसार, कभी 'सुपर टाइफून' रहा और इस साल प्रशांत महासागर के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक, 'चाम्पी' के केंद्र के पास अभी भी लगभग 191 किमी प्रति घंटा (119 मील प्रति घंटा) की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।

(CWA), ने बताया कि यह तूफान ताइवान के दक्षिणी छोर से लगभग 330 किमी (205 मील) पूर्व में है। पूर्वानुमान के अनुसार, यह तूफान ताइवान के उत्तर-पूर्वी हिस्से के पास से गुजरेगा, फिर उत्तर की ओर मुड़कर चीन के तट की तरफ जाएगा और अंत में दक्षिणी जापान की ओर बढ़ जाएगा।



उन्होंने सवाल उठाया कि महामारी के दौरान भेदभाव और दुर्व्यवहार की घटनाओं को केवल विकासशील देशों के संदर्भ में देखने से रिपोर्ट को क्या हासिल होता है, जबकि विकसित देशों में हुई समान त्रासदियों का उल्लेख नहीं किया गया।भारतीय राजनयिक ने कहा कि मानवीय पीड़ा और लोगों के दुख को राजनीतिक लाभ हासिल करने का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ी रिपोर्टों में सभी मामलों का निष्पक्ष आकलन होना चाहिए और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चुनिंदा घटनाओं को प्रमुखता देने से बचना चाहिए।

सुंदर पिचाई ने कैसे बचाया अटलांटिक का नाम? अमेरिकी राष्ट्रपति ने छोड़ी ‘ट्रंप ओशन’ की जिद, खुद बताई अंदर की बात



वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप अब दुनिया के दूसरे सबसे बड़े Ocean अटलांटिक महासागर का नाम बदलना चाहते हैं। ट्रंप चाहते हैं कि अटलांटिक के बजाय इसका नाम ट्रंप ओशन किया जाए। नाम बदलने के लिए उन्होंने गूगल के CEO सुंदर पिचाई से बात की और कहा कि गूगल मैप्स पर अटलांटिक को ट्रंप ओशन के नाम से शो किया जाए। लेकिन सुंदर पिचाई ने ट्रंप के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। सुंदर पिचाई ने कहा कि वो ऐसा नहीं कर सकते। महासागर अलग होते हैं। वो कई देशों से जुड़े होते हैं इसलिए, उनका किसी एक देश के नेता के नाम करना ठीक नहीं होगा।दिलचस्प है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ये राज खुद खोला। साउथ कैरोलाइना की एक

मनोरंजन

बड़े पर्दे पर फिर साथ दिखेंगे शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण

अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों आगामी फिल्म 'किंग' के एक गाने की शूटिंग करने की तैयारी में हैं।

रिपोटर्स के मुताबिक, इस गाने की शूटिंग 26 अक्टूबर को मुंबई में होगी। इसकी कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी वैभवी मर्चेंट को सौंपी जा सकती है। निर्माताओं ने गाने की शूटिंग के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, गाने के शीर्षक, संगीतकार और इससे जुड़े अन्य कलाकारों के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है।रिपोर्ट के अनुसार, इस गाने में फिल्म की पूरी कास्ट शामिल हो सकती है। इससे पहले भी शाहरुख और दीपिका के

फिल्म के सेट से कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें दोनों गाने की शूटिंग करते दिखाई दिए थे। हालांकि, आगामी गाने के बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। शाहरुख और दीपिका इससे पहले 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'पठान' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में दोनों की जोड़ी को एक बार फिर पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं।सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही 'किंग' का निर्माण शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में शाहरुख और दीपिका के अलावा सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत और अरशद वारसी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एक्शन थ्रिलर इस फिल्म में शाहरुख एक बार फिर दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे। फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी का पहला ‘सास-बहू’ वाला सीरियल, घर-घर में हिट हो गया था गाना; एक सीन के चलते सड़कों पर उतर आए थे लोग!

आज टीवी सीरियल्स का क्रेज पहले जैसा नहीं रहा। एक दौर था, जब सीरियल देखने के लिए घर में जल्दी डिनर बन जाता था, ताकि पूरा परिवार एक साथ बैठकर सीरियल्स का आनंद उठा सकें। महिलाएं सीरियल्स के टेलीकास्ट होने का बेसब्री से इंतज़ार करती थीं।यूं तो टीवी पर कई सीरियल्स आए जो बाद में कल्ट बन गए। मगर क्या आपको पता है कि टीवी पर सबसे पहला 'सास बहू' वाला सीरियल कौन सा आया था जिसने एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया था? चलिए आपको टीवी के पहले ‘सास बहू’ वाले सीरियल के बारे में बताते हैं...

टीवी पर आने वाला पहला सास-बहू सीरियल

2000 के दशक में एक टीवी सीरियल आया जो ‘सास-बहू’ और घर के झग्डों से भरा हुआ था। इस शो के किरदार जितने पॉपुलर हुए, उससे ज्यादा गाना हिट हो गया। घर-घर में लोग सीरियल के टाइटल ट्रैक को गुनगुनाने लगे। यह सीरियल था ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’। इसी शो ने डेली सोप यानी सास-बहू वाले सीरियल्स का ट्रेंड शुरू किया था। ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ का निर्माण एकता कपूर ने किया था। शो में तुलसी की भूमिका में स्मृति ईरानी को घर-घर में पहचाना

दैनिक क्षितिज किरण 6

तिब्बत में 7 तीव्रता के भूकंप से भारी तबाही, 16 की मौत; 340 घर ढहे-45 से ज्यादा घायल



तिब्बत (आरएनएस)। पठारी क्षेत्र तिब्बत में आए 7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। भूकंप के कारण करीब 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 45 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। सबसे ज्यादा नुकसान नागकू शहर में हुआ, जहां करीब 340 घर ढह गए और बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए। राहत एवं बचाव दलों ने तत्काल अभियान शुरू कर मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि विस्थापित लोगों के लिए अस्थायी टेंट लगाए गए हैं।नागकू प्रशासन के अधिकारियों ने भूकंप से हुए नुकसान की पुष्टि की है। अधिकारियों के मुताबिक, कई मकान ढहने से लोग मलबे में फंस गए थे, जिन्हें बचाव दलों ने कड़ी मशक़त के बाद बाहर निकाला। प्रभावित लोगों को पुलिस और दमकल विभाग के वाहनों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। मृतकों के शव अस्पतालों में ले जाए गए और घायलों का उपचार शुरू किया गया। भूकंप के झटके नागकू के अलावा बाकेन, कमदो और ग्यिंग्चो शहरों में भी महसूस किए गए। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जबकि चट्टानें गिरने से सड़कें अवरुद्ध हो गईं। ऊंचाई वाले दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने में राहत कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि, मुश्किल हालात के बावजूद बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्तर) के अनुसार, भूकंप का केंद्र बाकेन काउंटी में जमीन से करीब 18 किलोमीटर की गहराई पर था। यह स्थान नागकू से लगभग 191 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है।स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 10:30 बजे आए भूकंप से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तेज झटकों के कारण लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।बताया गया है कि यह पिछले पांच वर्षों में तिब्बत में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इससे पहले अगस्त में नेपाल-चीन सीमा के पहाड़ी इलाकों में आई जलप्रलय में 1,400 से अधिक लोगों की जान जाने का दावा किया गया था। वहीं, वर्ष 2023 में चीन के पड़ोसी पहाड़ी प्रांत गांसू में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें करीब 120 लोगों की मौत हुई थी।तिब्बत भूकंपीय गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। वैज्ञानिकों के अनुसार, करीब पांच करोड़ वर्ष पहले भारतीय टेक्टोनिक प्लेट उत्तर की ओर बढ़ते हुए यूरेशियाई प्लेट से टकराई थी। इस टक्कर के कारण हिमालय और तिब्बती पठार के निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

90एस के सीरियलों पर भारी पड़ा था दूरदर्शन का शो, बने थे 780 एपिसोड; एक्ट्रेस की बिंदी की वजह से देखते थे लोग

दूरदर्शन ने हमें कई ऐसे टीवी शोज दिए हैं जिनको आज तक भुला पाना मुश्किल है। इन सीरियलों में एक अलग तरह की कशिश थी जिनकी कहानी कहीं न कहीं हमारे जहन में बसी है।

आप इन्हें आराम से परिवार के साथ बैठकर देख सकते हैं। इनमें भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और आम आदमी की जिंदगी की झलक देखने को मिलती थी। इन्हीं में से एक था साल 1994 में आया टीवी शो शांति एक घर की बुनियाद।

इसमें मंदिरा बेदी ने लीड रोल निभाया था। दोपहर 2.30 बजे जब ये टीवी पर आता था तो लोग अपना सारा कामकाज छोड़कर आंख गड़ाकर बैठ जाते थे। कहानी की मुख्य किरदार शांति (मंदिरा बेदी) एक महत्वाकांक्षी और निडर पत्रकार के बारे में है।

शो में मंदिरा बेदी का किरदार शांति अपनी मां के साथ हुई नाइसाम्मी का बदला लेने निकलती है। वो भी एक रसूखदार परिवार से। कहानी में शांति अपनी मां तुलसी के साथ हुए दुष्कर्म के पीछे छिपे सच को सामने लाने के लिए पूरी कोशिश करती है।

इस सीरियल से मंदिरा बेदी को काफी लोकप्रियता मिली। उनके शानदार अभिनय और उनकी तीर वाली वाली बिंदी ने उस दौर में इस किरदार को घर-घर में पहचान दिलाई। इसके लगभग 780 एपिसोड प्रसारित हुए थे। इस शो ने पहली बार भारतीय टीवी पर एक आत्मनिर्भर और विद्रोही महिला की छवि पेश की थी। ‘शांति’ सिर्फ एक टीवी शो नहीं बल्कि 90छ्ठ के बच्चों और परिवारों की यादों का हिस्सा था जिसे देखकर वो दोपहर में स्कूल से आने के बाद खाना खाते थे।

जाने लगा। शो में स्मृति ईरानी के अलावा मिहीर विरानी के रोल में अमर उपाध्याय भी मशहूर हो गए थे।

आपको जानकर हैरानी होगी कि जब शो में मिहीर विरानी का डेथ सीन दिखाया गया था तब लोग इस किरदार की वापसी के लिए प्रोटेस्ट कर रहे थे। ईटाइम्स के मुताबिक, लोगों ने मिहीर की वापसी के लिए गुस्से में एकता के ऑफिस पर पत्थर भी फेंके थे। बाद में जब मिहीर की वापसी हुई तो वह एपिसोड सबसे ज्यादा देखने वाला एपिसोड बन गया था।

लिम्का बुक ऑफरिकॉर्ड्स में दर्ज है सीरियल
इतना ही नहीं, ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है, क्योंकि यह पहला लॉन्ग रनिंग सीरियल था जिसने 1 हजार एपिसोड्स क्रॉस किया था। यह टीवी पर 2000 से 2008 तक टेलीकास्ट हुआ। पिछले साल ही ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2.0’ शुरू हुआ जिसमें तुलसी यानी स्मृति की वापसी हुई थी। अब दूसरा सीजन भी खत्म हो गया है।

शनिवार 24 अक्टूबर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

छत्तीसगढ़ समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर में मांझी-चालकियों के साथ किया भोज



वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, कांकर सांसद भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, विधायक कोण्डागांव लता उडेंडी, विधायक केशकाल नीलकण्ठ टेकाम, महापौर संजय पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सचिव संस्कृति डॉ एस भारतीदासन, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बीएन मीणा, कलेक्टर आकाश छिक्रा, एसपी शलभ सिन्हा सहित पारंपरिक मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरिन, नाइक-पाइक और बस्तर दशहरा समिति के सदस्य तथा बस्तर पंडुम के विजेता प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस और पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज भारतीय परम्परा, सवैधानिक संस्थाओं और आदिवासी समाज का अपमान करना बन्द करें : भाजपा

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज और कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस का चरित्र सदैव से भारतीय परम्पराओं और देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध रहा है। श्री ठाकुर ने सवाल दागा कि भारत की सनातन परंपरा ‘अतिथि देवो भवः’ की रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज इस परंपरा को स्वीकार करने से क्यों कतराते हैं?भाजपा प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बस्तर दौरा पूरे छत्तीसगढ़, समस्त प्रदेशवासियों और विशेषकर आदिवासी व जनजातीय समाज के लिए अत्यन्त सौभाग्य और गर्व का विषय है। ऐसे अवसर पर राष्ट्रपति का हृदय से स्वागत करने के बजाय कांग्रेस का जो नकारात्मक रुख सामने आ रहा है, वह अत्यन्त निन्दनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री ठाकुर ने तीखे शब्दों में सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस आखिर क्यों भारतीय परम्पराओं को नहीं मानती कांग्रेस न देश की राष्ट्रपति को स्वीकार करना चाहती है, न देश के प्रधानमंत्री का सम्मान करती है। कांग्रेस को न चुनाव आयोग पर विश्वास है, न सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) पर और न ही बाबा साहेब के बनाए भारतीय संविधान पर। आखिर कांग्रेस के लोग हमेशा देशविरोधी गतिविधियों में संलग्न रहने को क्यों उतावले रहते हैं और देश को तोड़ने का प्रयास क्यों करते रहते हैं श्री ठाकुर ने कहा कि सर्वोच्च संवैधानिक पदों और संस्थाओं का लगातार अनादर करना कांग्रेस की दूषित मानसिकता को उजागर करता है। कांग्रेस के इस अमर्यादित और अलोकतांत्रिक कृत्य के लिए पार्टी नेतृत्व और उनके नेताओं को पूरे देश और छत्तीसगढ़ की जनता से बिना शर्त माफ़ी मांगनी चाहिए।

खेल समाचार

सिलिकॉन वैली स्कैश : अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

रेडवुड सिटी (आरएनएस)। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्कैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।

अनाहत ने कहा, एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।

स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं।

अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्कैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्कैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी। वह फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं।

जापान पुरुष हॉकी टीम एशियन चैपियंस ट्रॉफी के लिए मोहाली पहुंची, एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत

मोहाली (आरएनएस)। जापान की 18 सदस्यीय पुरुष फील्ड हॉकी टीम 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मोहाली पहुंची। जापान की हॉकी टीम का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। खेल विभाग के अधिकारियों ने भांगड़ा, पारंपरिक मालाओं और पंजाबी मेहमाननवाजी के साथ खिलाड़ियों का शानदार स्वागत किया। खिलाड़ी अपने शानदार स्वागत से खुश थे। उन्होंने मेजबानों को धन्यवाद दिया और हॉकी के महान खिलाड़ियों की धरती पंजाब में खेलने को लेकर उत्साह दिखाया। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत आई जापान की हॉकी टीम में यामाडा शोटा, तनाका सेरेन, वतनबे जुन, मात्सुमोतो काजुमासा, नागाई युमा, यामाशिता मनाबू, फुजीशिमा रायकी (कप्तान), नागायोशी केन, सैतो हिरो, काशिवागी रेन, तनाका त्सुबासा, ऊका रयोमा, कवामुरा युसुके, कुरोदा किशो (गोलकीपर), यामानाका मोटोया, ओनियामाई हारुकी, किगागावा ताकुमी (गोलकीपर) और फुकुदा केंटारो शामिल हैं। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार पंजाब में हो रही है। पंजाब की धरती पहली बार किसी इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट की गवाह बन रही है।

जगदलपुर, (ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बस्तर प्रवास के दौरान शुक्रवार को आदिवासी संस्कृति, परंपरा और जन-सरोकार का अनुठा संगम देखने को मिला। जगदलपुर प्रवास पर पहुंचीं राष्ट्रपति ने बस्तर के ऐतिहासिक परंपराओं के संवाहकों के साथ समय बिताया और बस्तर के पारंपरिक मांझी-चालकी एवं मेंबरिन के साथ जमीन से जुड़े आत्मीय माहौल में दोपहर का भोजन किया।लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करने के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में एक विशेष भोज का आयोजन किया गया था। इस भोज में बस्तर की पारंपरिक प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख अंग मांझी-चालकी और मेंबर-मेंबरिन विशेष रूप से शामिल हुए। राष्ट्रपति ने उनके साथ बैठकर भोजन किया और उनसे बेहद सहजता व आत्मीयता के साथ संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना।इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेक्का, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा,



जांजगीर-चांपा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में कोटवारों ने अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कोटवारों ने नियमितीकरण, राजस्व विभाग में संविलियन और न्यूनतम 15 हजार रुपये मासिक पारिश्रमिक सहित चार प्रमुख मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान कोटवारों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एसडीएम को जापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। कोटवारों का कहना है कि वर्षों से शासन और प्रशासन के महत्वपूर्ण कार्यों में सेवाएं

देने के बावजूद उन्हें पर्याप्त पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। धरना-प्रदर्शन में शामिल कोटवारों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व प्रशासन की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने, राजस्व संबंधी कार्यों में सहयोग करने और प्रशासनिक सूचनाओं के आदान-प्रदान सहित कई जिम्मेदारियां कोटवार निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें नियमित शासकीय कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया गया है। कोटवारों ने इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए उन्हें नियमित कर्मचारी के रूप में मान्यता देने की मांग की है। कोटवारों ने ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से मांग की कि उन्हें नियमित करते हुए राजस्व विभाग में संविलियन किया जाए। उनका कहना है कि नियमितीकरण होने से उन्हें शासकीय कर्मचारियों की तरह बीमा, पेंशन और ग्रेच्युटी जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि सेवानिवृत्ति और वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। वर्तमान व्यवस्था में पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलने से कोटवारों और उनके परिवारों को भविष्य की चिंता बनी रहती है। प्रदर्शनकारी कोटवारों ने बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए मासिक पारिश्रमिक में वृद्धि की मांग भी प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोटवारों का पारिश्रमिक अलग-अलग वर्गों के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जबकि सभी कोटवारों से लगभग समान प्रकृति के कार्य कराए जाते हैं। ऐसे में पारिश्रमिक में वर्गवार अंतर रखना उचित नहीं है। कोटवारों ने सभी को एक समान वर्ग में शामिल करते हुए न्यूनतम 15 हजार रुपये प्रतिमाह पारिश्रमिक निर्धारित करने की मांग की। उनका कहना है कि मौजूदा पारिश्रमिक में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल होता जा रहा है।

एशियन पैरा गेम्स: मोना अग्रवाल ने दूसरा गोल्ड जीता, 50 मीटर राइफल 3पी एसएच1 में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

टोयोटा (आरएनएस)। भारतीय पैरा-शूटर मोना अग्रवाल ने आइची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन एसएच1 इवेंट में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता। यह उनका दूसरा गोल्ड है। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में भी गोल्ड जीता था।मोना ने 50 मीटर राइफल 3पी एसएच1 में 357.5 का वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर करके गोल्ड जीता। अवनी लेखरा 333.2 के साथ चौथे स्थान पर रही। मोना ने स्वीडिश शूटर एना बेसन का 356 का वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर तोड़ा, जो उन्होंने जुलाई 2026 में नोवी सैड में वर्ल्ड कप के दौरान बनाया था। पिछला एशियन रिकॉर्ड दक्षिण कोरिया की ली युन-री का था, जिन्होंने पिछले महीने 355.7 का स्कोर बनाया था।

मोना ने क्वालीफिकेशन के दौरान 566-17× के स्कोर के साथ छठा स्थान हासिल किया, जबकि अवनी ने 580-24× के साथ क्वालीफिकेशन

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया, कहा- क्रिकेट हमेशा दिल में रहेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रहीं सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ल लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूँ। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं ज़िंदगी भर संभालकर रखूंगी। उन्होंने लिखा, मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और स्पोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ डेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।

मेघना ने लिखा, मैं बीसीसीआई, ऑफ क्रिकेट एसोसिएशन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात जायंट्स और आरएसपीबी को मेरे पूरे करियर में लगातार सहयोग, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ। मुझे अपने पेंशन को सबसे ऊंचे लेवल पर आगे बढ़ाने के लिए प्लेटफॉर्म और मौके देने के लिए धन्यवाद।

बस्तर दशहरा कुम्हड़ाकोट से ससम्मान लौटाया गया ‘चुराया’ हुआ 8 चक्कों वाला विशाल विजय रथ

नवाखानी संग संपन्न हुई ‘बाहर रैनी’ की रस्म।

जगदलपुर (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशरहे में सामाजिक समरसता, समृद्ध लोक-आस्था और सदियों पुरानी परंपरा का एक बेहद जीवंत दृश्य देखने को मिला, जब ‘भीतर रैनी’ के बाद निभाई जाने वाली बहुप्रतीक्षित ‘बाहर रैनी’ की रस्म पूरी गरिमा के साथ संपन्न हुई। परंपरा के मुताबिक, भीतर रैनी की रस्म पूरी होते ही माड़िया जनजाति के लोगों ने आठ चक्कों वाले विशालकाय रथ को बुधवार को चुपचाप खींचकर शहर से दूर लालबाग स्थित कुम्हड़ाकोट के घने जंगलों में छिपा दिया था। यह प्रतीकात्मक "रथ चोरी" राजा और प्रजा के बीच संवाद, अपनत्व और मान-मनौव्वल की उस अद्भुत बस्तर संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो सदियों से चली आ रही है। इसके अगले दिन गुरुवार को जैसे ही ‘बाहर रैनी’ की रस्म शुरू हुई, बस्तर राजपरिवार के सदस्य चोरी हुए उस विशाल रथ को ढूंढते हुए सीधे कुम्हड़ाकोट के जंगलों में जा पहुंचे। वहां उन्होंने परंपरागत रूप से रूठे माड़िया समाज के लोगों और ग्रामीणों के बीच बैठकर आत्मीय संवाद स्थापित किया। राजपरिवार के सदस्यों ने ग्रामीणों की कुटिया में पहुंचकर उनकी मान-मनौव्वल की और इस तरह दोनों पक्षों के बीच एक बेहद सौहार्दपूर्ण और आत्मीय माहौल निर्मित हुआ। इस सुलह के उपरांत जंगल में ही पारंपरिक ‘नवाखानी’ का विशेष आयोजन किया गया, जहां नई फसल के आगमन की खुशी में नए चावल से तैयार खीर का नैवेद्य अर्पित किया गया। राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंडजेव, सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डे और ग्रामीणों ने एक साथ पंगत में बैठकर यह पावन प्रसाद ग्रहण किया, जिसने बस्तर की गहरी सामाजिक समरसता और अटूट सांस्कृतिक एकता को फिर से रेखांकित किया। मान-मनौव्वल और नवाखानी की इस रस्म के संपन्न होते ही माड़िया समुदाय के लोग और राजपरिवार के सदस्य एकजुट हो गए और पूरे शाही ठाठ-बाट, पारंपरिक गाजे-बाजे और जयकारों के साथ उस विशालकाय रथ को खींचते हुए वापस राजमहल के सिंह द्वार ले आए, जिसके साथ ही बस्तर दशरहे की बहुप्रतीक्षित रथ परिक्रमा रस्म का विधिवत समापन हो गया।

जांजगीर-चांपा में कोटवारों का धरना-प्रदर्शन, 15 हजार रुपये मासिक पारिश्रमिक और नियमितीकरण की मांग

देने के बावजूद उन्हें पर्याप्त पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। धरना-प्रदर्शन में शामिल कोटवारों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व प्रशासन की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने, राजस्व संबंधी कार्यों में सहयोग करने और प्रशासनिक सूचनाओं के आदान-प्रदान सहित कई जिम्मेदारियां कोटवार निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें नियमित शासकीय कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया गया है। कोटवारों ने इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए उन्हें नियमित कर्मचारी के रूप में मान्यता देने की मांग की है। कोटवारों ने ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से मांग की कि उन्हें नियमित करते हुए राजस्व विभाग में संविलियन किया जाए। उनका कहना है कि नियमितीकरण होने से उन्हें शासकीय कर्मचारियों की तरह बीमा, पेंशन और ग्रेच्युटी जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि सेवानिवृत्ति और वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। वर्तमान व्यवस्था में पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलने से कोटवारों और उनके परिवारों को भविष्य की चिंता बनी रहती है। प्रदर्शनकारी कोटवारों ने बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए मासिक पारिश्रमिक में वृद्धि की मांग भी प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोटवारों का पारिश्रमिक अलग-अलग वर्गों के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जबकि सभी कोटवारों से लगभग समान प्रकृति के कार्य कराए जाते हैं। ऐसे में पारिश्रमिक में वर्गवार अंतर रखना उचित नहीं है। कोटवारों ने सभी को एक समान वर्ग में शामिल करते हुए न्यूनतम 15 हजार रुपये प्रतिमाह पारिश्रमिक निर्धारित करने की मांग की। उनका कहना है कि मौजूदा पारिश्रमिक में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल होता जा रहा है।



टीम इंडिया को बड़ा झटका! चोट के कारण दूसरे T20 से बाहर हुए ईशान किशन, वैभव को मिल सकता है मौका



बोर्ड की मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर नजर रख रही है। हालांकि, ईशान को पूरी तरह फिट होने में कितना समय लगेगा और वह सीरीज के आगामी मुकाबलों में वापसी कर पाएंगे या नहीं, इस बारे में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। ईशाप किशन भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उन्हें पांचवें नंबर पर उतारा गया था। शुरुआत में इसे टीम प्रबंधन का रणनीतिक बदलाव माना गया, क्योंकि तिलक वर्मा अपने पुराने नंबर-3 के स्थान पर बल्लेबाजी करने आए थे। हालांकि, बाद में भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच ने स्पष्ट किया कि ईशान को ग्रीन यानी जांच और कमर के जोड़ के आसपास हल्की चोट लगी थी। इसी वजह से उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजने का फैसला किया गया। पहले मैच में ईशान केवल तीन गेंद खेल सके। तीसरी गेंद पर उन्होंने छक्का लगाने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में ऊंची उठ गई और फिन एलन ने उनका कैच लपक लिया। अब चोट के कारण दूसरे मुकाबले से बाहर होने के बाद टीम इंडिया को उनके विकल्प पर विचार करना होगा। ईशान किशन की गैरमौजूदगी में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की चर्चा तेज हो गई है। वैभव को पहले टी20 मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। ऐसे में दूसरे मुकाबले में उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितार्थ कोटक के हवाले से पहले बताया गया था कि ईशान की चोट को देखते हुए वैभव उनकी जगह लेने के मजबूत दावेदारों में शामिल हैं। हालांकि, इस संबंध में मेडिकल टीम की सलाह और खिलाड़ी की उपलब्धता को अहम बताया गया था। वैभव को टीम में मौका नहीं मिलने पर पहले भी चर्चा हुई थी। नागोया में एशियन गेम्स के फाइनल के बाद से उन्होंने कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला है। उन्हें प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिलने पर क्रिकेट जगत में सवाल उठे थे।

दैनिक क्षितिज किरण 7

रजिस्ट्री शुल्क में 50 प्रतिशत छूट से महिलाओं को मिल रही बड़ी आर्थिक राहत

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सर्शािककरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। महिलाओं के नाम पर संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्री शुल्क में 50 प्रतिशत छूट देने का निर्णय उनके लिए बड़ी आर्थिक राहत साबित हो रहा है। इस पहल से न केवल महिलाओं को संपत्ति का स्वामित्व प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि परिवार में उनकी आर्थिक भागीदारी भी मजबूत हो रही है।

इसी कड़ी में रायपुर में सुषमा जैन को राज्य शासन की इस पहल का सीधा लाभ मिला है। उनके नाम पर प्लॉट की रजिस्ट्री कराने से पंजीयन शुल्क में लगभग 2 लाख 90 हजार 700 रुपए की बचत हुई। इतनी बड़ी राशि की बचत होने से उनके परिवार को आर्थिक राहत मिली है।

खातन नदी में डूबे 15 वर्षीय किशोर का शव SDRF टीम ने किया बरामद

दुर्ग (ए.)। जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अकोला के पास खारून नदी में नहाने के दौरान तेज बहाव में बहे 15 वर्षीय किशोर का शव एसडीआरएफ (S.D.R.F) की रेस्क्यू टीम ने सघन तलाशी अभियान चलाकर बरामद कर लिया। घटना के बाद से ही रेस्क्यू टीम किशोर की तलाश में जुटी हुई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान राज गुप्ता (15 वर्ष), पिता रिकू गुप्ता, निवासी सीता नगर, रायपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि किशोर ग्राम अकोला के पास खारून नदी में नहाने के दौरान पानी के तेज बहाव में बह गया था। घटना की सूचना मिलते ही जिला सेनानी के निर्देशन में एसडीआरएफकी रेस्क्यू टीम मोटर बोट और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के साथ तत्काल मौके पर पहुंची।

खिलौने की आड़ में जाली नोटों का बड़ा खुलासा, आरोपी गिरफ्तार प्रिंटर जब्त

कोरबा, (आरएनएस)। खिलौने बेचने वाले एक बालक के पास से पुलिस ने 200 रुपये के 15 जाली नोट, कुल 3000 रुपये जब्त किए हैं। ये नोट देखने में फेटोकापी जैसे लग रहे थे, जिससे उनके असली होने पर संदेह हुआ और मामला पुलिस तक पहुंचा। सिविल लाइन रामपुर पुलिस ने बालक को सुभाष चौक के पास पकड़ा।

पूछताछ में उसने मानस नगर निवासी अभिषेक शर्मा उर्फ सिक्कू से नोट मिलने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की निशानदेही पर एक प्रिंटर भी जब्त किया गया है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि मानस नगर क्षेत्र में रहने वाला बालक खिलौने बेचता है और उसके पास 200 रुपये के जाली नोट हैं, जिन्हें वह बाजार में चलाने का प्रयास कर रहा है।

पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पूछताछ में बालक ने बताया कि अभिषेक ने उसे नोट दिए थे। उसने एक नोट चलाने का प्रयास किया था, जबकि बाकी 15 जाली नोट उसके पास मिले। बालक से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने अभिषेक की पतासाजी की।

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत का धमाकेदार प्रदर्शन, पदकों की संख्या 90 के पार, बैडमिंटन और तीरंदाजी में गोल्ड की तमक

शोंट में टॉप किया। अवनी का स्कोर एशियन पैरा गेम्स क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड भी था। मोना ने फाइनल में बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हुए गोल्ड जीता। उन्होंने नीलिंग सीरीज 1 में 101.4 और फिर प्रोन सीरीज 1 में 102.1 का स्कोर किया। उन्होंने स्टैंडिंग सीरीज में भी अच्छे स्कोर बनाए और सात स्टैंडिंग सीरीज में 53, 50.8, 10.4, 10.3, 10.1, 9.6 और 9.8 का स्कोर करके गोल्ड जीता। चीन की क्यूपिंग झांग ने 353.7 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की मियांग किम ने 344.4 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता और अवनी मेडल से चूक गईं। इससे पहले, मोना ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में गोल्ड जीता था, जिसमें अवनी ने सिल्वर मेडल जीता था। मोना ने एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 250 का स्कोर बनाकर गोल्ड जीता, जबकि अवनी ने 249.6 का स्कोर बनाकर सिल्वर मेडल जीता।

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत का धमाकेदार प्रदर्शन, पदकों की संख्या 90 के पार, बैडमिंटन और तीरंदाजी में गोल्ड की तमक

नई दिल्ली (आरएनएस)। आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता के पांचवें दिन बैडमिंटन, पैरा आर्चरी और एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में देश की स्थिति और मजबूत की। बैडमिंटन और तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीतने के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने कई रजत पदक भी अपने नाम किए। खबर के अनुसार, भारत की कुल पदक संख्या 90 के पार पहुंच गई है। अब भारतीय दल की नजरें 100 पदकों के आंकड़े को छूने पर टिकी हैं।बैडमिंटन कोर्ट पर भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। पुरुष सिंगल्स के SL3 वर्ग के फाइनल में भारत के नितेश कुमार और प्रमोद भगत के बीच मुकाबला हुआ। नितेश ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रमोद को सीधे गेमें में 21-18, 21-16 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

इस मुकाबले में भारत ने पहला और दूसरा स्थान दोनों हासिल किए। नितेश कुमार ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि प्रमोद भगत को रजत पदक मिला। महिला सिंगल्स के S U5 वर्ग में थुलसिमथी मुरगेसन ने भी शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें फाइनल में जीत नहीं मिली और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उनके इस प्रदर्शन से भारत की पदक संख्या में एक और इजाफा हुआ।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने गिनाई जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियां

मटकुली में ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण, विद्यार्थियों को साइकिल एवं स्कूटी वितरित

पिपरिया। नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत पिपरिया विधानसभा क्षेत्र के मटकुली स्थित पंचायत भवन ग्राउंड में आयोजित सांसद दर्शन सिंह चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद ने ग्राम पंचायत मटकुली के नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य है कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो। जनविश्वास की वास्तविक मजबूती तभी संभव है, जब शासन की योजनाएं जरूरतमंदों तक पहुंचें और प्रत्येक नागरिक को उनका लाभ मिले। सांसद ने कहा कि केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार जनकल्याण, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही हैं। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण, ग्रामीणों को मिलेगी सुविधा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ली नर्मदापुरम संभाग की संगठनात्मक समीक्षा बैठक

जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा और जिलाध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने संगठन की मजबूती के लिए रस्ते महत्वपूर्ण सुझाव



नर्मदापुरम। इटारसी। भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में नर्मदापुरम संभाग की महत्वपूर्ण संगठनात्मक समीक्षा बैठक ली। बैठक में नर्मदापुरम जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों ने सहभागिता करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की तथा संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा



सांसद ने ग्राम पंचायत मटकुली के ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण कर इसे ग्रामीण विकास एवं स्थानीय प्रशासन को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्राम पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए पंचायत संबंधी कार्यों, जनसमस्याओं के निराकरण तथा स्थानीय विकास गतिविधियों के संचालन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इससे ग्रामीणों को पंचायत से संबंधित कार्यों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

खरीफ 2026 की समीक्षा और रबी 2026-27 की तैयारी को लेकर नर्मदापुरम संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आज भोपाल में

नर्मदापुरम जिले के चारों विधानसभा प्रभारी विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी ने बैठक में अपनी बात रखी और संगठनात्मक गतिविधियों तथा संगठन को मजबूत बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य संभाग में संगठनात्मक कार्यों का आकलन करना और जमीनी स्तर पर कार्यक्रमों को अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा तय करना रहा। जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की उपस्थिति में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय सहित नर्मदापुरम जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी ने संगठन की मजबूती के लिए अपने विचार और सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की समीक्षा बैठकें संगठनात्मक कार्यों का आकलन करने, आपसी तालमेल बढ़ाने और पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

टेल क्षेत्र तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें सिंचाई विभाग : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

कलेक्टर ने माखननगर में शुक्ररवाड़ा उपनहर का किया निरीक्षण नहरों की सफाई समय पर पूरी करने के दिए निर्देश



नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने पानी मिल सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि रबी सिंचाई माखननगर पहुंचकर शुक्ररवाड़ा उपनहर का निरीक्षण के लिए नहरों का संचालन प्रारंभ होने से पूर्व सभी किया। इस दौरान उन्होंने नहरों की स्थिति एवं सिंचाई के आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। नहरों की साफ-लिए सुचारू जल प्रवाह के लिए की जा रही व्यवस्थाओं सफाई समय पर सुनिश्चित की जाए तथा विशेष रूप से का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को टेल क्षेत्र की नहरों में जमा गद एवं अन्य अवरोधों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने जल हटाय़ा जाए, जिससे अंतिम छोर तक पानी पहुंचने में संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी प्रकार की बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान पुलिस नहरों के माध्यम से सिंचाई के लिए टेल क्षेत्र तक पानी अधिकारी की निरीक्षण के लिए टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। नहरों में जमा गद को कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, जल संसाधन विभाग हटाकर उनकी सफाई कराई जाए, ताकि जल प्रवाह के अधीक्षण यंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित सुचारू बना रहे और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त रहे।

विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

नर्मदापुरम (निप्र)। वरिष्ठ नागरिक समिति नर्मदापुरम द्वारा विगत वर्षानुसार इस वर्ष भी ग्राम-बुधवाड़ा में 24. अक्टूबर शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से 3:00 तक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें शहर के 13 वरिष्ठतम विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। साथ ही इस शिविर में आयुर्वेदिक विशेषज्ञ भी उपलब्ध रहेंगे। शिविर में सभी प्रकार की जांच-बीपी, शुगर, हड्डियों की जांच, हार्ट की जांच, आंखों की जांच, मोतियाबिंद दांतों की जांच एवं सभी प्रकार की जांचों के साथ दवाईयां एवं इलाज निःशुल्क किया जाएगा

मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण को लेकर राजनीतिक दलों से मांगे सुझाव

नर्मदापुरम (निप्र)। फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2027 के तहत पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के अंतर्गत मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण का कार्य किया जाना है। इस संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम राजेश कुमार शुक्ला ने जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों से अनुरोध किया है कि जिले की चारों विधानसभाओं के मतदान केंद्रों के संबंध में यदि कोई प्रस्ताव या सुझाव हो तो उसे अनिवार्य रूप से 24 अक्टूबर 2026 तक संबंधित विधानसभा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें। प्राप्त प्रस्तावों की जांच कर आयोग के मापदंड अनुसार सही पाए जाने पर संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने प्रस्ताव में शामिल कर जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के लिए भेजेंगे।

जिला स्तरीय चैपियन ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ

जागृति फुटबॉल क्लब इटारसी सेमीफाइनल में पहुंचा

नर्मदापुरम (निप्र)। एसएनजी खेल परिसर में आयोजित जिला स्तरीय चैपियन ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में नर्मदा फुटबॉल अकादमी और यंग बॉयज सोहागपुर की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका सीएमओ वैभव देशमुख, जिला खेल अधिकारी विकास खड़ाकर, एसएनजी स्कूल के प्राचार्य संदीप शुक्ला उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला सोहागपुर और



जागृति फुटबॉल क्लब, इटारसी के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में जागृति फुटबॉल क्लब इटारसी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सोहागपुर की टीम को 1-0 से पराजित कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। मैच के दौरान दोनों टीमों के

खिलाड़ियों ने खेल कौशल और प्रतिस्पर्धा की भावना का परिचय दिया। दूसरे मैच में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री प्रसन्न हर्न एवं चरणजीत सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। प्रतियोगिता के आयोजन में कोच कमल सिंह ठाकुर एवं नरेंद्र परमार सहित अकादमी के सदस्य रोहित सैनी, आनंद शर्मा, अधिषेक संतौर, ललित रात्रि, सुरेंद्र कुरापा, उदित मांझी, देव, राजा सत्यम, प्रिंस, फ़हान, आर्यन एवं रुद्र का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका रखत सोनी ने निभाई।

नरवाई प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों का शत-प्रतिशत क्षमता से करें उपयोग : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में नरवाई के उचित बेलर मशीन के माध्यम से फसल अवशेषों के प्रबंधन लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा नरवाई प्रबंधन के लिए संचालित कृषि यंत्रों का लाइव डेमो देखा। नुकसान पहुंचता है। इसलिए किसान फसल अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में नरवाई प्रबंधन से अधिक किया जाएगा।

ड्रोन निगरानी में पकड़ी नरवाई में आग, इटारसी में किसान पर FIR

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर ड्रोन से सतत निगरानी की जा रही है। राज्य स्तरीय टीम भी प्रदेश भर में ड्रोन से मॉनिटरिंग कर रही है। इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2026 को तहसीलदार इटारसी श्री राम किशोर झरवडे के नेतृत्व में राजस्व और कृषि विभाग के संयुक्त दल ने ग्राम रेसलपुर, घाटली, सनखेड़ा, तारारोड़ा, बोरतलाई, घुघवासा, बैगनिया और आसपास के गांवों में ड्रोन निगरानी की।

निगरानी के दौरान ग्राम घाटली स्थित खसरा नंबर 228/3, 229/6, 231/6 रकबा 1.199 हेक्टेयर पर धान के अवशेष में आग लगाना पाया गया। जांच में काश्तकार विनय चौधरी पिता गुलाबदास चौधरी द्वारा शासन के नरवाई प्रबंधन निर्देशों का उल्लंघन करना पाया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम एवं दंडाधिकारी इटारसी नीलेश शर्मा ने संबंधित किसान के विरुद्ध FIR दर्ज कराने की कार्रवाई की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इटारसी सहित पूरे जिले में ड्रोन निगरानी और दंडात्मक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि आधुनिक कृषि उपकरणों का अधिकतम उपयोग कर नर्मदापुरम को नरवाई जलाने से मुक्त जिला बनाना है और प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोक सेवा केंद्रों का जिला प्रबंधक ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश



नर्मदापुरम (निप्र)। सुशासन के तहत आवेदकों को सुलभ, सरल और पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर आशीष वरिष्ठ के निर्देश पर जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन आनंद झेरवार ने 23 अक्टूबर 2026 को लोक सेवा केंद्र माखन नगर और सोहागपुर का निरीक्षण किया।श्री झेरवार द्वारा माखन नगर केंद्र के निरीक्षण में व्यवस्था और प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। कुछ आवेदनों में ऑनलाइन प्रिंट साफ नहीं मिला, जिस पर ऑफरटैरों को साफ प्रिंट निकालने और सभी ऑनलाइन आवेदनों पर आवेदकों के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से लेने के निर्देश दिए। शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि, केंद्र और श्रीचालय में अधिक साफ-सफाई, ऑफरटैरों को युनिफॉर्म में समय पर उपस्थिति, उपस्थिति रजिस्टर पूरा करने, प्रत्येक आवेदन की पावती आवेदक को देने, भरे गए आवेदनों को अगले दिन तक संबंधित कार्यालयों में भेजने और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग संधारण के निर्देश दिए गए।सोहागपुर केंद्र में सेवावार रजिस्ट्रेंरों और आवेदनों की जांच की गई। हार्डकॉपी अगले दिन तक भेजने और पावती प्रिंट साफ निकालने के निर्देश दिए।दोनों केंद्रों पर सभी सेवाओं की सूची और आवेदन शुल्क प्रदर्शित करने, विनम्र व्यवहार रखने, स्टाफ, पेयजल, बैठक व्यवस्था, इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, फर्नीचर और प्रचार सामग्री को उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छता को लेकर नपा की लगातार कार्रवाई जारी

अलग-अलग दुकानों पर किया 12900 का जुर्माना

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में स्वच्छ सर्वेक्षण और आगामी त्यौहारों को देखते हुए नगर को साफ स्वच्छ रखने के लिए नगरपालिका की टीम लगातार अभियान चला रही है। बाजार दोनों समय कचरा वाहन चलाए जा रहे हैं साथ ही दुकानदारों, प्रतिष्ठान और होटल संचालकों से लगातार स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की समझाइश भी दी जा रही है। शुक्रवार को गंदगी करने और कचरा फैलाने पर अलग अलग दुकानों पर करीब 12900/- रुपए का चालान किया गया है।

स्वच्छ भारत अभियान नोडल अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में लगातार नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके नगर के लोगों, दुकानदारों, होटल संचालकों सहित अन्य प्रतिष्ठान संचालकों से इस विशेष स्वच्छता अभियान चलाने में सहयोग करने आग्रह किया जा रहा है। नपा की स्वच्छता टीम द्वारा आज भी बाजार क्षेत्र में कचरा फैलाने और गंदगी करने वाले दुकानों के संचालकों पर जुमाने की कार्रवाई की गई साथ ही समझाइश भी दी गई।

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगर के नागरिकों से आग्रह किया है आगामी त्यौहारों को देखते हुए नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। बाजार क्षेत्र में प्रतिदिन दोनों समय कचरा कलेक्शन के लिए वाहन चलाए जा रहे हैं। जिसमें आप सभी मिलकर सहयोग करें और अपने नगर को स्वच्छता के मामले में नंबर 01 बनाएं।

टेल क्षेत्र तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें सिंचाई विभाग : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

कलेक्टर ने माखननगर में शुक्ररवाड़ा उपनहर का किया निरीक्षण नहरों की सफाई समय पर पूरी करने के दिए निर्देश



नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने पानी मिल सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि रबी सिंचाई माखननगर पहुंचकर शुक्ररवाड़ा उपनहर का निरीक्षण के लिए नहरों का संचालन प्रारंभ होने से पूर्व सभी किया। इस दौरान उन्होंने नहरों की स्थिति एवं सिंचाई के आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। नहरों की साफ-लिए सुचारू जल प्रवाह के लिए की जा रही व्यवस्थाओं सफाई समय पर सुनिश्चित की जाए तथा विशेष रूप से का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को टेल क्षेत्र की नहरों में जमा गद एवं अन्य अवरोधों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने जल हटाय़ा जाए, जिससे अंतिम छोर तक पानी पहुंचने में संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी प्रकार की बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान पुलिस नहरों के माध्यम से सिंचाई के लिए टेल क्षेत्र तक पानी अधिकारी की निरीक्षण के लिए टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। नहरों में जमा गद को कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, जल संसाधन विभाग हटाकर उनकी सफाई कराई जाए, ताकि जल प्रवाह के अधीक्षण यंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित सुचारू बना रहे और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त रहे।

 पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा
निम्नलिखित कार्य के ई. निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है।
क्र.सं : 1 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू-जे.बी.पी-202–2026 दिनांक 15/10/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता पिपरिया उप-मंडल के अधीन सोहागपुर और सालीचोका रोड के कर्मचारी आवासों के फर्श, दरवाजे, खिड़कियां, आंगन की दीवार, बाड़, पहुंच मार्ग, स्नानघर, शौचालय और रसोई का सुधार कार्य, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 61,38,687 /—, बयाना राशि रुपये : 1,22,800 /—, समापन अवधि : 10 माह
क्र.सं : 2 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू-जे.बी.पी –203–2026 दिनांक 15/10/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता, पिपरिया उप-मंडल के अधीन कर्मचारी आवासों का सुधार कार्य, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 94,42,001 /—, बयाना राशि रुपये : 1,88,900 /—, समापन अवधि : 12 माह
क्र.सं : 3 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू-जे.बी.पी –204–2026 दिनांक 15/10/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता, कटनी उप-मंडल के अधीन बखेलता रोटी ब्लॉक सेक्शन में गेट सिग्नलिंग के लिए 01 नग रिले हट का प्रावधान। (कार्य का भाग – जबलपुर मंडल में TVU 10000 से अधिक वाले गैर-इंटरलॉक समुपार फाटकों पर गेट सिग्नलिंग के लिए 11 नग रिले हट के प्रावधान), कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 24,77,171 /—, बयाना राशि रुपये : 49,600 /—, समापन अवधि : 06 माह
क्र.सं : 4 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-205–2026 दिनांक 19/10/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में नटारसी-जबलपुर खंड पर टी.एस.आर. 20.35 किमी, टी.आर. आर. 15.30 किमी, टी.एफ.आर.– 3.80 किमी और मोबाइल फ्लेश वेल्डिंग – 900 जोड़ का कार्य।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 5,88,58,049 /—, बयाना राशि रुपये : 11,77,200 /—, समापन अवधि : 12 माह
क्र.सं : 5 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-206–2026 दिनांक 16/10/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : बीना-कटनी: किलोमीटर 1236 /42–46 पर पुल संख्या 1236 /1 पर कटनी आर.ओ. आर. पर टो वॉल का निर्माण।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 3,28,50,630 /—, बयाना राशि रुपये : 6,57,000 /—, समापन अवधि : 12 माह
क्र.सं : 6 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-207–2026 दिनांक 19/10/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता नरसिंहपुर उप-मंडल के अंतर्गत गेट सिग्नलिंग के लिए 05 नग रिले हट का प्रावधान। (कार्य का भाग:- जबलपुर मंडल में 10000 से अधिक टीवीयू वाले नौन-इंटरलॉकड समुपार फाटकों पर गेट सिग्नलिंग के लिए 11 नग रिले हट का प्रावधान), कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 1,23,82,071 /—, बयाना राशि रुपये : 2,47,700 /—, समापन अवधि : 06 माह
सभी निविदाओं के भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15-00 बजे 13/11/2026 सभी निविदाओं के खुलने की अंतिम तिथि एवं समय 15-15 बजे 13/11/2026
उपरोक्त ई-निविदा सर्पण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
 स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर